सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

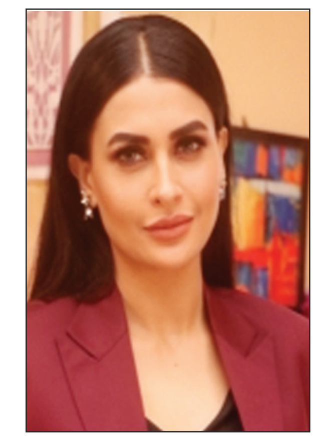

बुमराह से ब्रेक की जरुरत को लेकर..... पेज: 6

ट्रोलर्स पर भड़की पवित्रा पुनिया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 36 | गुरुवार 07 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सबरीमाला से शुरू हुई बहस, अब मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक बहिष्कार पर सर्वोच्च न्यायालय में बड़ा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में इन दिनों धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को लेकर एक बेहद अहम सुनवाई चल रही है। सबरीमाला मामले से शुरू हुई यह कानूनी बहस अब केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा कई धार्मिक समुदायों की परंपराओं तक पहुंच चुका है। अदालत अब यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायपीठ ने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश, पारसी समुदाय में अंतरधार्मिक विवाह करने वाली महिलाओं के बहिष्कार और दाऊदी बोहरा समाज में सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रथाओं पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि क्या किसी महिला को विवाह के आधार पर समुदाय से अलग करना वास्तव में धार्मिक परंपरा है या फिर यह समय के साथ बनी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। बहस के दौरान पारसी महिलाओं की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के बहिष्कार का कोई स्पष्ट धार्मिक आधार दिखाई नहीं देता और यह अधिकतर मानव निर्मित व्यवस्था प्रतीत होती है। न्यायपीठ ने यह भी जानना चाहा कि यदि पुरुषों को अलग नियमों के तहत स्वीकार किया जाता है तो महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था क्यों लागू हो। अब इस मामले में आने वाला फैसला केवल एक विवाद का समाधान नहीं करेगा, बल्कि यह देश में धर्म, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नई दिशा भी तय कर सकता है।

फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला गैंग का पर्दाफाश

-ग्रामीण क्षेत्र के युवा होते हैं गैंग के निशाने पर

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला बड़ा गैंग सामने आया है। इस गैंग ने ग्रामीण इलाकों के कई युवाओं को अपनी ठगी का शिकार बनाया। ताजा मामला उमापुर गांव से सामने आया है, जहां युवती ने आठ बार शादी करने के बाद नौवीं बार उमापुर के एक युवक से शादी कर लाखों रुपये का चूना लगा दिया। उमापुर निवासी युवक की शादी के लिए कुछ एजेंटों ने मध्यस्थता की। शादी तय करने के नाम पर युवक से लाखों रुपये लिए। इसके बाद बाकायदा शादी हुई, लेकिन कुछ समय बाद दुल्हन और उन एजेंटों का असली चेहरा सामने आ गया। जांच में यह खुलासा हुआ कि जिस लड़की से युवक की शादी हुई, वह पहले आठ बार शादी कर चुकी थी। इस धोखाधड़ी का शिकार हुआ युवक अब परेशान हो रहा है। युवक ने मामले की शिकायत एसपी से की। युवक ने कहा कि अंधेरे में रखकर शादी कराई गई थी। जिस युवती से शादी हुई, उसकी यह नौवीं शादी थी। युवक का कहना है कि दुल्हन एक और दूल्हे अनेक बनाकर यह गिरोह युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहा है। यह गैंग खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के उन युवकों को निशाना बनाता था, जिन्हें शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में परेशानी होती है। यह गैंग एजेंटों के जरिए युवकों को निशाना बनाया जाता है।

सिंहस्थ तैयारियों को झटका : शिप्रा किनारे व्यावसायिक निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

उज्जैन (एजेंसी)। साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले शिप्रा नदी के करीब प्रस्तावित निर्माण गतिविधियों को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। उच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि शिप्रा नदी के किनारे किसी भी प्रकार की कारोबारी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। विशेष रूप से, नदी तट से 100 से 200 मीटर के दायरे में प्रस्तावित रिसॉर्ट निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह फैसला उज्जैन निवासी सत्यनारायण द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मास्टर प्लान के प्रावधानों का उल्लंघन कर हो रहे अवैध निर्माणों को चुनौती दी गई थी। पूर्व में, हाईकोर्ट ने नगर निगम और राज्य शासन को 200 मीटर क्षेत्र में अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई में, उज्जैन नगर निगम ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है, कुछ अतिक्रमण हटाए गए हैं और कुछ को नोटिस जारी किए गए हैं। सुनवाई के दौरान मेला को ध्यान में रखकर बनाई गई रिवर फ्रंट डेवलपमेंट योजना का भी उल्लेख हुआ। इस योजना के तहत, नदी से 100 मीटर क्षेत्र में घाट विकास और सुंदरीकरण जैसे गैर-व्यावसायिक कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें कोर्ट ने सैद्धांतिक रूप से इजाजत योग्य माना। हालांकि, 100 से 200 मीटर के दायरे में आश्रम, मठ, प्रवचन हॉल, धर्मशालाओं के साथ-साथ प्रस्तावित रिसॉर्ट जैसी कारोबारी गतिविधियों को लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नदी किनारे रिसॉर्ट जैसे व्यावसायिक निर्माण को स्वीकार करना संभव नहीं है। अगली सुनवाई तक, इस 100 से 200 मीटर क्षेत्र में किसी भी प्रकार के रिसॉर्ट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय सिंहस्थ की तैयारियों में शामिल उन योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनमें शिप्रा तट के व्यावसायिक उपयोग की परिकल्पना की गई थी।

इंडिया गठबंधन का सिर्फ एक ही काम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना

-राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कांग्रेस पर हुए हमलावार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने फिर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी स्पष्ट मिशन या विजन पर आधारित नहीं है। बल्कि भ्रम, विभाजन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का समूह है। जिसका सिर्फ एक ही काम हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस लोकल दलों का इस्तेमाल कर उन्हें बाद में छोड़ देती है। उन्होंने दावा किया कि देश में इस गठबंधन की कोई मजबूत उपस्थिति या एकजुटता दिखाई नहीं देती है और यह केवल राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बना एक अस्थायी गठबंधन है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन कोई वैचारिक गठबंधन नहीं है, बल्कि यह 卐भ्रम और विभाजन का गठबंधन है। उनके अनुसार, इसमें शामिल दलों के बीच न नीति को लेकर एकरूपता है और न ही देश के विकास के लिए कोई साझा विजन इन लोगों के पास मौजूद है।

मध्य प्रदेश में गहराया भू-जल संकट: मालवा-बुंदेलखंड में हजार फीट पर भी धूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की ताजा रिपोर्ट ने मध्य प्रदेश के भू-जल स्तर की भयावह स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कई प्रमुख क्षेत्रों में भू-जल का दोहन खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे भविष्य में पानी का विकट संकट खड़ा होने की आशंका है।

मालवा क्षेत्र, अपनी उपजाऊ मिट्टी के लिए प्रसिद्ध, अब भू-जल खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। विशेष रूप से उज्जैन जिले की स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुछ ब्लॉकों में भू-जल रिचार्ज से कहीं अधिक 144 प्रतिशत तक निकाला जा रहा है। उज्जैन के सभी छह ब्लॉक रेड अलर्ट श्रेणी में हैं। राजधानी भोपाल में भी भू-जल का दोहन 80 प्रतिशत के पार निकल गया है, और इसके तीनों ब्लॉक सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में हैं, जिसका सीधा अर्थ है कि भू-जल का उपयोग रिचार्ज की तुलना में कहीं अधिक हो रहा है।

बुंदेलखंड क्षेत्र भी गहरे जल संकट का सामना कर रहा है। टीकमगढ़ के सभी ब्लॉक तेजी से रेड ज़ोन की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि टीकमगढ़ और छतरपुर के आधे हिस्सों में भू-जल का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा कर रहा है। भू-जल अधिकारियों का कहना है कि 70 प्रतिशत से अधिक भू-जल का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए; इससे अधिक उपयोग ब्लॉक को असुरक्षित श्रेणी में डाल देता है।

रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि पानी खींचने की यही गति बनी रही, तब आने वाले सालों में इन इलाकों में बोरवेल सिर्फ धूल निकलनी है। इसके प्रमाण अभी से मिलने लगे हैं। उज्जैन की खाचरोद तहसील के पथलासी गांव में 1100 फीट की गहराई पर भी पानी नहीं मिल रहा है, जहां 24 निजी बोरवेल में से केवल तीन ही सफल हुए और तीन सरकारी बोर भी सूखे पड़े हैं। वहीं, टीकमगढ़ के माडूमार गांव में 400 फीट पर भी पानी न होने के कारण किसान केवल खरीफ की फसल पर निर्भर हैं और रबी की बुवाई के लिए सिंचाई का पानी खरीदना पड़ता है। फिलहाल राहत की बात केवल सागर जिले से है, जहां सभी 11 ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में बने हुए हैं क्योंकि यहां 70 प्रतिशत से कम भू-जल का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, पूरे प्रदेश में बिगड़ती भू-जल स्थिति एक बड़े सूखे और जल संकट की ओर इशारा कर रही है, जिस पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है।

ममता की हार देख अखिलेश ने आईपैक से तोड़ा नाता, अब पार्टी खुद करेगी चुनाव प्रबंधन

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की चुनावी हार के बाद चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक से अपना रिश्ता खत्म करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि अब पार्टी खुद चुनाव प्रबंधन करेगी। आधिकारिक तौर पर सपा की तरफ से आईपैक से ना तो रिश्ता जोड़ने का कोई बयान आया था ना ही अब जबकि 2027 चुनाव के लिए आईपैक से संबंध टूटे हैं तो इसका कोई आधिकारिक बयान पार्टी की तरफ से आया है, लेकिन पार्टी सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव प्रबंधन करने वाली सबसे चर्चित कंपनी आईपैक से अब समाजवादी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। सपा के इंसाइडर्स यह बता रहे हैं कि आईपैक पर पड़े लगातार छापे और अब दो राज्यों में चुनावी हार, जहां आईपैक इस चुनाव को मैनेज कर रही थी उसके बाद पार्टी के थिंक टैंक ने इस संस्था से दूरी बनाना ही बेहतर समझा है और आईपैक को ये बात भी दी है कि चुनाव में साथ नहीं चल सकते। बता दें जिस दिन कोलकाता में आईपैक ऑफिस में छापे पड़ रहे थे और ममता बनर्जी आईपैके के दफ्तर पहुंच गई, उसे दिन समाजवादी पार्टी ऑफिस आईपैक अपना प्रेजेंटेशन दे रही थी। आईपैक के साथ जाने का सब कुछ तय हो चुका था, लेकिन प्रेजेंटेशन के दिन ही पड़े छापे ने अखिलेश यादव का खबरदार कर दिया था और तभी यह पार्टी सोचने लगी थी क्या आईपैड को साथ लेना कहीं भारी तो नहीं पड़ जाएगा। अब ममता और स्टालिन की हार के बाद इस पर मोहर लग गई है।

पंजाब धमाकों पर बोले फारूक अब्दुल्ला- हिंदुस्तान में ब्लास्ट तो होते रहते....

-सियासी हलके में हुई तीखी प्रतिक्रिया

जम्मू (एजेंसी)। पंजाब में हुए ताजा बम धमाकों के बीच फारूक अब्दुल्ला के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने धमाकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है और इसे असंवेदनशील बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात पंजाब के जालंधर और अमृतसर में तीन घंटे के अंतराल में दो धमाके हुए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, जालंधर में रात करीब 8ः15 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं और आवाज लगभग डेढ़ किलोमीटर तक सुनी गई। इस घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, जबकि स्कूटी चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, दूसरी घटना अमृतसर के खासा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हुई, जहां रात लगभग 10ः50 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक सामग्री फेंकी, जो दीवार से टकराते ही फट गई। इस धमाके से परिसर की दीवार और टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, फारूक अब्दुल्ला के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के पीछे की साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

विजय की टीवीके को कांग्रेस का समर्थन, 7 को ले सकते हैं शपथ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को कांग्रेस ने समर्थन देने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान टीवीके को समर्थन देने का प्रस्ताव पास किया है और जल्द ही इसका आधिकारिक पत्र जारी किया जा सकता है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस ने 2021 और 2026 का चुनाव द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) के साथ गठबंधन में लड़ा था, लेकिन अब वह विजय के साथ सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा रही है। चर्चा है कि कांग्रेस इसके बदले कैबिनेट में दो मंत्री पद और कुछ सरकारी बोर्डों के अध्यक्ष पद की मांग कर सकती है।

राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है, जबकि टीवीके को 108 सीटें हासिल हुई हैं। कांग्रेस के पांच निर्वाचित विधायकों का समर्थन मिलने के बाद विजय के पास कुल 113 विधायकों का साथ हो जाएगा। हालांकि, बहुमत के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी भी 5 और विधायकों की जरूरत है। बताया जा रहा है कि टीवीके नेतृत्व वीसीके, लेफ्ट और अन्य छोटे दलों के संपर्क में है ताकि सरकार गठन में कोई बाधा न आए। विजय बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं और संभवतः 7 मई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं।

गणितीय आंकड़ों के खेल में एक पेच यह भी है कि विजय ने दो सीटों—चेन्नई की पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व—से जीत हासिल की है। निर्वाचन नियमों के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। यदि वे तिरुचिरापल्ली सीट छोड़ते हैं, तो उनकी पार्टी की संख्या 107 रह जाएगी। इसके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त होने की स्थिति में प्रभावी मतदान क्षमता 106 तक गिर सकती है, जिससे गठबंधन को अतिरिक्त समर्थन जुटाने के लिए और अधिक मशक्कत करनी होगी। फिलहाल चेन्नई स्थित विजय के आवास पर विधायकों की बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस विधायकों के भी जल्द ही उनसे मुलाकात करने की संभावना है। यदि यह गठबंधन सफल होता है, तो तमिलनाडु में दशकों पुराने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे।

चुनावी हार के बाद ममता और अभिषेक की सुरक्षा में कटौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के दो दिन बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कमी की गई है। बुधवार सुबह 6ः30 बजे से उनके आवासों और कार्यालयों के बाहर पुलिस व्यवस्था कम की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीन परिसरों 88ए हरीश चटर्जी (ममता बनर्जी का आवास), 121 कालीघाट रोड (पार्टी का मुख्यालय) और 9 कैमक स्ट्रीट (अभिषेक बनर्जी का कार्यालय) से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया गया है। अब केवल जेड+ सुरक्षा व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि इसके अतिरिक्त तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाया गया है। मंगलवार को ही हरीश चटर्जी रोड पर लगे कैंचीनुमा बैरिकेड जैसे कुछ अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों को हटाया गया था और उनकी जगह मैनुअल रेलिंग लगा दी गई थीं। यह घटनाक्रम इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद सामने आया है। भाजपा ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें हासिल की थीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। इस बीच, राज्य के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया है। दत्ता दिसंबर 2023 से एडवोकेट जनरल थे और इससे पहले 2017 से 2021 तक भी इस पद पर रह चुके थे।

ममता बनर्जी ने राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर बड़ी गलती की: राउत

–कांग्रेस नेता ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ, वह दूरदर्शी नेता

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर और उनसे गठबंधन के संबंध में वार्ता ना करके बड़ी गलती की, वरना विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और ही होते। ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट पर बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत लोकतंत्र की जीत नहीं है, क्योंकि एसआईआर के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं की हार के बावजूद, इंडिया गठबंधन का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ। वह एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी ने भी एक समय अधिकांश राज्यों में जीत हासिल की थी, फिर भी उन्हें बाद में करारी हार का सामना करना पड़ा। राउत ने कहा कि बीजेपी भी इस समय शिखर पर है और भविष्य में उसे भी हार का सामना करना पड़ेगा।

राउत ने बुधवार को कहा कि ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। मैंने उनकी बातों को ध्यान से सुना और समझा। उन्होंने पहली बात यह कही कि चुनाव आयोग विलेन है और इसी विलेन ने चुनाव जीता है। दूसरी बात उन्होंने कही कि पोलिंग बूथों और काउंटिंग सेंटरों पर डराया-धमकाया गया, जो कि बहुत शर्मनाक था। ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया है कि 100 विधानसभा सीटों पर धांधली हुई और लाखों नाम हटा दिए गए, उनके मुताबिक ये बातें सच हैं। उन्होंने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनकी नैतिक जीत है और वह खुद को जीता हुआ मानती हैं। शिवसेना सांसद ने कहा कि ममता दीदी हमेशा से एक आंदोलनकारी रही हैं, चाहे वह सीएम हों, सत्ता में हों या विपक्ष में। सीएम रहते हुए भी वह ईडी और केंद्र सरकार जैसी एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी हैं।

अगर वह कह रही हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि वह हारी नहीं हैं, तो मैं इसे उनके विरोध के एक हिस्से के रूप में देखता हूं। यह एक आंदोलन है, सरकार के रवैये के खिलाफ एक तरह का प्रतिरोध है और मेरा मानना है कि ऐसा आंदोलन होना चाहिए।

बता दें पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने 207 सीटें जीती हैं, जबकि टीएमसी महज 80 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को 2 सीटों पर जीत मिली है। पहली बार चुनाव में उतरी हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी को भी 2 सीटें मिलीं, जबकि लेफ्ट और एआईएसएफ के खाते में 1-1 सीट आई।

आईआरसीटीसी घोटाला : लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

–राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई 22 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को लेकर अहम कानूनी फैसला फिलहाल टल गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित करते हुए अगली सुनवाई 22 मई तय की है। अब उसी दिन अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय देगी।

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 16 अप्रैल को भी इस मामले में सुनवाई टल गई थी और अदालत ने 6 मई की तारीख निर्धारित की थी।

पूरा मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है। उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडर प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन करते हुए एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन और अन्य आर्थिक फायदे दिए गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में पद का दुरुपयोग किया गया और टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। सीबीआई ने 7 जुलाई 2017 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों को नामजद किया गया। इसके बाद दिल्ली, पटना, रांची और गुरुग्राम समेत कई शहरों में छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जुटाए गए। हालांकि, लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश के तहत तैयार किया गया है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। अब इस मामले में 22 मई की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अदालत आरोप तय करने पर अंतिम फैसला सुना सकती है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा का संकल्प पत्र खड़ी करेगा चुनौतियां

बंगाल में वित्तीय चुनौतियों के बीच संतुलन की बड़ी परीक्षा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक युग का अंत हुआ है। 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को बेदखल कर भाजपा ने राज्य की कमान संभाल ली है। इस बड़े राजनीतिक उलटफेर के बाद अब प्रदेश की जनता और आर्थिक विशेषज्ञों की नजरें नई सरकार के उन वादों पर टिकी हैं, जो भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र संकल्प पत्र में किए थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कर्ज और सीमित संसाधनों के दबाव में दबी राज्य की अर्थव्यवस्था इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का बोझ कैसे उठाएगी।

भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों में सबसे प्रमुख महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देना है। इस योजना का उद्देश्य कमजोर वर्गों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना है, लेकिन इसका सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा। इसके साथ ही, लंबे समय से लंबित सातवें वेतन आयोग को लागू करने और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का वादा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत तो है, लेकिन इससे राज्य के राजस्व व्यय में भारी वृद्धि होना तय है। वर्तमान वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो बंगाल की नई सरकार के लिए राह आसान नहीं दिखती। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का राजकोषीय घाटा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत रहा है। हालांकि, आगामी वर्षों में इसके घटकर 2.9 प्रतिशत तक आने का अनुमान है, जो वित्तीय अनुशासन की ओर इशारा करता है, लेकिन यह सुधार नए और बड़े खर्चों के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं छोड़ता।

राज्य की वित्तीय स्थिति में सबसे चिंताजनक पहलू कुल कर्ज का स्तर है, जो जीएसडीपी का लगभग 38 प्रतिशत बना हुआ है। यह उच्च स्तर दर्शाता है कि राज्य अपनी जरूरतों के लिए उधारी पर बहुत अधिक निर्भर है। इसके अलावा, राज्यों की अपनी कर आय उनकी कुल राजस्व प्राप्तियों का केवल 41 प्रतिशत ही है। यानी आधे से भी अधिक राजस्व के लिए केंद्र पर निर्भरता बनी हुई है। वर्तमान खर्च के ढांचे को देखें तो बजट का बड़ा हिस्सा राजस्व व्यय (वेतन, पेंशन और सब्सिडी) में चला जाता है, जबकि विकास कार्यों के लिए पूंजीगत व्यय केवल 4 प्रतिशत तक सीमित है। नई सरकार के सामने अब यह बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने लोक-कल्याणकारी वादों को पूरा करने के साथ-साथ विकास परियोजनाओं के लिए धन कैसे जुटाती है। वेतन संशोधन और नकद सहायता योजनाओं के लागू होने से विकास कार्यों के लिए वित्तीय जगह और भी कम हो सकती है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार वित्तीय अनुशासन और जन-आकांक्षाओं के बीच कैसे तालमेल बिठाती है।

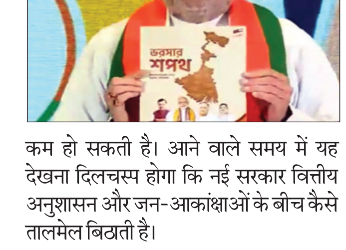

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत ह्यहिंदू वोट बैंकह्ण तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। 'जय श्री राम' के साथ 'जय मां काली' और 'जय मां दुर्गा' जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

संपादकीय

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुःस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा ह्यएक देश, एक चुनावह्ण के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं।

चिंतन-मनन

भय को निकालें

जब क्रियता का संवेदन होता है तो अक्रियता का संवेदन भी होगा। हमारे सारे तनाव इस परिधि में हो रहे हैं। क्रियता का संवेदन हो, क्रिय मिले, क्रिय को वियोग न हो और अप्रियता का योग न हो। बस, सारी तनाव की यह सीमा है। इसी सीमा में सारे तनाव प्रकट हो रहे हैं। पर मूल में जो छिपा हुआ कारण कार्य कर रहा है, वह मात्र एक ही है- प्रियता का संवेदन, अप्रियता का संवेदन। अब यह संवेदन है तो भय भी पैदा होगा।

एक छोटी सी कहनी है। एक आदमी बहुत डरता था। वह समझदार आदमी के पास गया जो मंत्र को जानता था। उसके पास जाकर बोला, मुझे डर बहुत लगता है। उसने ताबीज बना दिया और कहा, इसको बांध लो। तुम्हारा डर समाप्त हो जाएगा। ताबीज बांध लिया। डर लगना कम हो गया। पर मंत्र जानने वाला व्यक्ति कुछ दिन बाद ही आया और पूछा- भाई! अब डर तो नहीं लगता? उसने कहा, जो काल्पनिक था, वह तो नहीं लगता किन्तु एक डर और पैदा हो गया। निरन्तर मन में भय बना रहता है कि कहीं ताबीज गुम न हो जाए। एक भय तो समाप्त हुआ, दूसरा भय और आ गया। जब यह दृष्टि मूल में बनी रहती है कि प्रिय का वियोग न हो जाए, अप्रिय का योग न हो जाए, तब भय अनिवार्य है। उस मूल कारण से तनाव पैदा होता है। जब प्रिय संवेदन की भावना है, उसका तनाव भी पैदा होता है। हमारे जीवन के संचालन के केन्द्र में जो तत्व है, वह है लोभ। मनोविज्ञान के अनुसार हर व्यक्ति में कुछ मौलिक मनोवृत्तियां होती हैं। जीने की इच्छा भी इसी में एक है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी

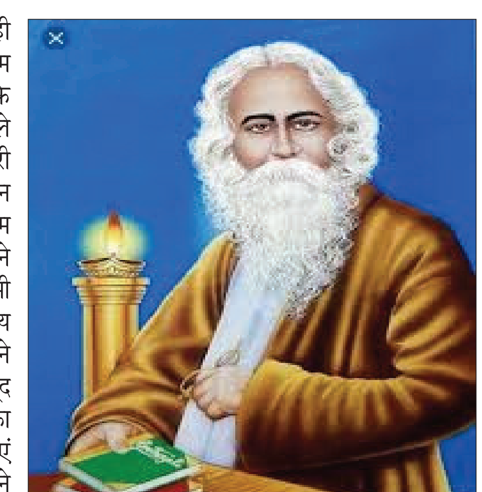

कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

तेल कंपनियों का रिकॉर्ड मुनाफा और उपभोक्ताओं पर बढ़ता बोझ

कांतिलाल मांडोत

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा। अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा।

हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है।

2026 की शुरूआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है।

सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कच्चे तेल की कीमतों का इतिहास देखें तो 2020-21 में यह लगभग 44.65 डॉलर प्रति बैरल थी, जो महामारी के दौरान सबसे कम स्तर था। इसके बाद 2021-22 में यह 79.30 डॉलर, 2022-23 में 90 डॉलर के आसपास, 2023-24 में 82.58 डॉलर और 2024-25 में 78.56 डॉलर रही। 2025-26 में यह औसतन 70.99 डॉलर के आसपास रही। इस ट्रेंड से स्पष्ट है कि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उचित है या इसमें संतुलन की जरूरत है। एक तरफ कंपनियां यह तर्क देती हैं कि उन्हें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, रिफाइनिंग लागत और लॉजिस्टिक्स खर्च का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता यह महसूस करते हैं कि उन्हें कीमतों में पारदर्शिता और राहत मिलनी चाहिए।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है।

भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

किशोरियों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों एवं इसके कानूनी पहलुओं पर कार्यशाला

अमरोहा (सब का सपना):- जस्टिस एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, कालाखेड़ा में बाल विवाह के विरुद्ध एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरियों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों एवं इसके कानूनी पहलुओं के प्रति जागरूक करना था।

कार्यशाला में संस्था की प्रतिनिधि रूबि ने बच्चों के साथ संवादात्मक तरीके से चर्चा की। उन्होंने बाल विवाह के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया, ताकि बच्चे अपने अधिकारों को जान सकें और गलत परंपराओं का विरोध कर सकें।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि बच्चों को रोल प्ले (अभिनय) के माध्यम से बाल विवाह की वास्तविक स्थितियों से परिचित कराया गया।

इस गतिविधि के जरिए बच्चों ने न केवल समस्या को समझा, बल्कि इसके समाधान के प्रति भी अपनी सोच विकसित की।

विद्यालय के शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बच्चों के समग्र विकास और जागरूकता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विधिक जागरूकता शिविर में बाल विवाह व घरेलू हिंसा पर विशेष जोर

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान एवं डीएलएसए सचिव/न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में ए.के.के. इंटर कॉलेज, अमरोहा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सेवाओं, विभिन्न कानूनों एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विशेष रूप से बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसे रोकने के लिए बने कानूनों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है और इसके खिलाफ शिकायत करने के लिए कानूनी सहायता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। छात्राओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम के तहत मिलने वाले अधिकारों एवं सहायता सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया तथा बताया गया कि पीड़ित व्यक्ति निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत (09 मई 2026) के आयोजन, उसकी प्रक्रिया एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही विशेष लोक अदालत (21-23 अगस्त 2026) की जानकारी भी साझा की गई, जिससे अधिक से अधिक लोग अपने मामलों का त्वरित निस्तारण करा सकें। शिविर में लगभग 80 छात्रों ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य, स्टाफ सदस्य, कुलदीप कुमार, जयदेव सिंह, महेश सिंह एवं राजेंद्र सिंह उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने शिविर को उपयोगी एवं जागरूकता बढ़ाने वाला बताया।

जिलाधिकारी की जनपदवासियों से अपील: घर बैठे करें अपनी जनगणना

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण स्व-गणना (Self Enumeration) की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे 07 मई से 21 मई 2026 तक निर्धारित अवधि में स्वयं अपनी स्व-गणना करें, अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्व-गणना कराएँ तथा अधिक से अधिक नागरिकों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करें। स्व-गणना 07 मई 2026 से 21 मई 2026 तक चलेगी। मकान सूचीकरण एवं गणना 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक होगी। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे 07 मई से 21 मई 2026 तक se.census.gov.in पोर्टल के माध्यम से घर बैठे अपनी एवं परिवार की स्व-गणना अवश्य करें। यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित एवं समय बचाने वाली है, जो पारदर्शी एवं सटीक डेटा संग्रह सुनिश्चित करेगी। इसके साथ जनपदवासी se.census.gov.in पोर्टल पर जा सकते हैं या दफ कोड स्कैन कर जनगणना कर सकते हैं। एक ही मोबाइल नंबर से पूरे परिवार का पंजीकरण करना होगा। OTP के माध्यम से वेरिफिकेशन पूरा करने के बाद अपनी पसंद की भाषा चुनें, सही लोकेशन (Geo-tag)) सिलेक्ट करें और सरल प्रश्नावली भरें। स्व-गणना पूर्ण होने पर रए ID प्राप्त होगी, जिसका बाद में प्रगणक द्वारा सत्यापन किया जाएगा। पोर्टल सुबह 06:00 बजे से रात 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह ने स्व-गणना की विस्तृत योजना प्रस्तुत की। जिले को कुल 3680 ब्लॉकों में विभाजित किया गया है, जिसमें 4525 कर्मचारी कार्य करेंगे। जिला प्रभारी व्यास नन्दन द्वारा सभी अधिकारियों को पोर्टल और स्व-गणना संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बैठक में एडीएम एवं जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, उप जिला जनगणना अधिकारी, विभागीय अधिकारी एवं समस्त चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में जूनियर वर्ग एवं मिडिल वर्ग दोनों में अतुल्य सदन ने बाजी मारी

अमरोहा (सब का सपना):- द आर्यन्स,जोया में अंतर सदनीय सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के तहत भिन्न-भिन्न प्रकृति के प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का आयोजन जूनियर व मिडिल दो वर्गों में किया गया। जूनियर वर्ग में कक्षा 1 से 5 तक, मिडिल वर्ग में कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में अतुल्य सदन से गतिक, जरानाज, भाव्या, चारबिक, याक्षी, तुषार सैनी विराट चौधरी हिमानी यादव एवं अग्रिम सदन से देवांश लिट्ट, रिदा फातिमा, फरीहा खान, वेदांशी मोहम्मद अयान, आयुष, दिगेंद्र,अबीरा, काव्यांश तथा अगम्य सदन से मान्या और भाव्या, अपराजिता सदन से जसप्रीत, लक्षित,भाव्या और सरस आदि विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभा लिया। जूनियर वर्ग में कक्षा 1 से 5 तक अतुल्य सदन से गतिक, जरानाज, भाव्या, चारबिक, याक्षी, तुषार सैनी विराट चौधरी हिमानी यादव प्रथम ,अग्रिम सदन से देवांश लिट्ट, रिदा फातिमा, फरीहा खान, वेदांशी मोहम्मद अयान, आयुष, दिगेंद्र,अबीरा और काव्यांश आदि विद्यार्थियों ने द्वितीय,अगम्य सदन से मान्या और भाव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिडिल वर्ग कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों में अतुल्य सदन ने प्रथम ,अग्रिम सदन ने द्वितीय और अगम्य सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी संबंधी सहगामी प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन की क्षमता का विकास होता है इस तरह के क्विज का आयोजन होते रहना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक गौरव चौधरी और अमन लिट्ट ने संयुक्त रूप से कहा कि सामान्य ज्ञान से छात्र-छात्राओं के सोचने का तरीका बदलता है तथा किसी भी वस्तु या घटना को समझने का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसके साथ ही सभी प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। इस प्रतियोगिता में मंच पर आसीन निर्णायक समिति के सदस्य धीरज महलवाल,आफरीन अश्विनी, फुरकान और जागृति कौशिक ने निष्पक्ष रूप से अग्रणी भूमिका निभाई।

इस अवसर पर सुनीता चौधरी, शालिनी भारद्वाज, जागृति कौशिक, बी.एस. यादव, अभिषेक सुमन, अनिल कुमार, अंजना देवी, अनुज यादव, अश्विनी चौधरी, चांदनी महौर, चांदनी बत्रा, चिरंजीव कौर, धीरज चौधरी, हुमा बेबी, इस्तेखार अहमद, खुशबू चौधरी, कुमुद भारद्वाज, ममता वर्मा, मोहम्मद फुरकान सैफी, मोहिनी वर्मा, मोनिका यादव, नाहिद फातमा, नितु ,परमेन्द्र कुमार, प्रीति सिंह, प्रेरणा रावत, रचना चौधरी, राहुल शाक्य, रमन बाला, रुकय्या, सचिन कुमार शर्मा, संतोष कुमार, सरिता वर्मा, शगुफ्ता हामिद, शैलजा चौधरी, शिखा आनंद, शिवम कुमार, शिवानी गुप्ता, शिवानी सरोहा, सोनू, सुचित्रा सिंह, सुमित कुमार, सुरभि, स्वाति चौधरी, विनीत कुमार शर्मा, प्रियांशी अग्रवाल, शालिनी वर्मा, विपिन कुमार, हुमा परवीन, साक्षी गुप्ता, विधि माहेश्वरी, दीपांशी चौधरी, आफरीन जहां, रजिया खान, अरिशा खान आदि उपस्थित रहेक

चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- प्रोफेशनल मंच रुहेलखण्ड एवं युवा राष्ट्रीय लोकदल, अमरोहा के संयुक्त तत्वावधान में ओंको केयर हॉस्पिटल, जोया में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के संस्थापक स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर एवं स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा का आरंभ किया गया। सभा में वक्ताओं ने उनके किसान हितैषी विचारों, सादगीपूर्ण जीवन एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सामग्री का वितरण किया गया तथा एक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया गया, जिसमें क्षेत्र के अनेक लोगों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रुहेलखण्ड के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामबीर सिंह जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में मंडल अध्यक्ष सरजीत सिंह, जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी, युवा जिलाध्यक्ष इरकान अली एवं प्रोफेशनल मंच के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. सत्यवीर सिंह चौहान शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सत्यवीर सिंह चौहान ने की, जबकि संचालन शिवम कांत द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुजाहिद प्रधान, सहजाद खान, डॉ. फुरकान अली, कासिम गाजी, बाके सिंह चौहान, राजेन्द्र चौहान, जावेद पाशा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

धनौरा रामगंगा पोषक नहर में डूबे 12 वर्षीय बच्चे का शव पांच दिन बाद बरामद

नहर के साइफन के पास से कड़ी मशक्कत के बाद निकाला शव

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा की रामगंगा पोषक नहर में डूबे 12 वर्षीय बच्चे आर्यंस का शव पांच वें दिन एनडीआरएफ की टीम द्वारा बरामद कर लिया गया है। एनडीआरएफ की टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद नहर के साइफन के पास से बच्चे के शव को खोज कर निकाला गया। शव मिलने के साथ ही पिछले कई दिनों से चल रहा गतिरोध समाप्त हो गया और परिजनों के साथ प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

बता दें कि मृतक आर्यंस, डिडौली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर नूरी निवासी रवि कुमार का पुत्र था। वह अपने मामा आकाश के घर मिलक अख्तियारपुर में रहकर कक्षा 6 में पढ़ाई कर रहा था। बीते शुक्रवार को वह अपनी नानी के साथ खेत पर गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी दौरान उसने अचानक नहर में छलांग लगा दी और ग्रामीणों के पहुंचने से पहले ही गहरे पानी में समा गया।घटना के बाद से ही प्रशासन द्वारा लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा था, लेकिन चार दिनों तक कोई सफलता नहीं मिल पाई। इससे नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार को बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे पर रामपुर तगा पुलिस चौकी के पास जाम लगा दिया था। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के युवा नेता गुरमीत सिंह चंचू भी मौके पर पहुंचे और नहर का पानी बंद कराने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था कि यदि शव बरामद नहीं हुआ, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। जाम की सूचना मिलते ही एसडीएम शैलेश कुमार दुबे और सीओ अंजलि कटारिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि 24 घंटे के भीतर शव बरामद कर लिया जाएगा, जिसके बाद जाम समाप्त कराया गया।इसके बाद प्रशासन ने तलाश अभियान तेज कर दिया। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे और नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहे और एनडीआरएफ टीम के साथ समन्वय बनाकर अभियान चलाया। आखिरकार बुधवार दोपहर करीब 2 बजे एनडीआरएफ को सफलता मिली और बालक का शव साइफन के पास से बरामद कर लिया गया।शव मिलने के बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं परिजन गहरे सदमे में हैं।

गन्ने के खेत में मिला शव, हत्या की आशंका से सनसनी

बिजनौर (सब का सपना):- संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति का शव गन्ने के खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। धामपुर थाना क्षेत्र के आमखेड़ा गांव में मिले इस शव को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, खेत में शव पड़े होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान 40 वर्षीय जयप्रकाश उर्फ मोनू के रूप में हुई है। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी अभय पांडे और कोतवाली प्रभारी मृदुल कुमार ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

मृतक के भाई अशोक ने बताया कि जयप्रकाश की हत्या की गई है। उनका कहना है कि करीब दो वर्ष पहले जयप्रकाश ने अपने पैतृक गांव परमावाला की जमीन बेचकर आमखेड़ा में रहना शुरू किया था। ऐसे में परिजन पूरे मामले को संदिग्ध मानते हुए निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और लोग तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

आउटसोर्सिंग कर्मियों का विरोध, ईओ ने जांच का दिया आश्वासन

बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर नगरपालिका में बुधवार सुबह उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाई कर्मियों ने कथित शोषण के विरोध में जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें निर्धारित सफाई कार्य के बजाय अन्य कार्यों में लगाया जा रहा है और छुट्टियों में भी जबरन ड्यूटी कराई जाती है।

नगरपालिका परिसर में एकत्र हुए कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो कार्य बहिष्कार किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उनकी नियुक्ति सफाई कार्य के लिए हुई है, लेकिन उनसे डंपिंग ग्राउंड और गौशाला से जुड़े काम भी कराए जा रहे हैं, जो अनुचित है।

कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें दबाव में लिया जाता है और पुलिस कार्रवाई की धमकी दी जाती है। उन्होंने इसे स्पष्ट रूप से उत्पीड़न बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने कर्मचारियों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मियों से नियमानुसार आठ घंटे की ड्यूटी ली जाएगी और यदि किसी से अतिरिक्त या अनुचित कार्य कराया जा रहा है तो उसकी लिखित शिकायत दी जाए। ईओ ने आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कर्मचारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए जल्द समाधान की मांग की है।

जन्म प्रमाण पत्र व आधार सेवाओं में देरी पर व्यापार मंडल ने उठाई आवाज, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई ने नगर पालिका चंदौसी द्वारा जन्म प्रमाण पत्र जारी करने में हो रही देरी और लापरवाही को लेकर उप जिलाधिकारी नीतू रानी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि इस समय स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है, ऐसे में जन्म प्रमाण पत्र की अत्यधिक आवश्यकता है, लेकिन अभिभावकों को नगर पालिका के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि कई-कई आवेदन लंबित पड़े हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही आधार कार्ड बनवाने और उसमें संशोधन प्रतीक्षा सूची होने के कारण आमजन को महीनों बाद की तारीख मिल रही है। व्यापार मंडल ने मांग की कि आधार कार्ड बनवाने के लिए विशेष कैंपों का आयोजन कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। साथ ही नगर पालिका को निर्देशित किया जाए कि जन्म प्रमाण पत्र 15 दिनों के भीतर जारी किए जाएं, जिससे अभिभावकों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके।

इस दौरान युवा प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी, युवा जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता, राजीव शर्मा, मोहित सक्सेना, परवेज एडवोकेट, सचिन शर्मा, सौरभ अग्रवाल, चार्ली गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इंटर कॉलेज में चला यातायात जागरूकता अभियान, छात्रों को दिलाई शपथ

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में यातायात पुलिस टीम ने बुधवार को बहजोई इंटर कॉलेज में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई।

यातायात पुलिस कर्मियों ने विद्यार्थियों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने और सड़क पर सावधानी बरतने के महत्व के बारे में बताया। साथ ही छात्रों को प्रेरित किया गया कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और अपने परिवार व समाज को भी इसके लिए जागरूक करें।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई, ताकि वे न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें बल्कि दूसरों की सुरक्षा में भी सहयोग करें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में यातायात के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा

परिवार परामर्श केंद्र की बैठक आयोजित, चार परिवारों में हुआ समझौता

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेशार्नुसार चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में संपन्न हुई।

बैठक का संचालन परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में किया गया, जिसमें पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलरों की मदद से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया।

इस दौरान कुल 25 मामलों (पत्रावलियों) की सुनवाई की गई, जिनमें से 6 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं 4 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाकर समझौता कराया गया। 2 मामलों को आवेदक द्वारा आगे कार्यवाही में रुचि न लेने एवं अन्य कारणों से बंद कर दिया गया।

बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गीता ज्ञान यज्ञ का छठा दिन, बुद्धि, गुण और कर्म के संबंध पर स्वामी कृष्णानंद झा का प्रवचन

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के हयातनगर में दीपा बाष्णेय की अध्यक्षता में चल रहे सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ के छठे दिवस का शुभारंभ भजन-कीर्तन के साथ हुआ। कार्यक्रम में गीता व्यास स्वामी कृष्णानंद झा ने अपने ओजस्वी व्याख्यान में मानव जीवन में बुद्धि, गुण और कर्म के गहरे संबंध को विस्तार से समझाया।

स्वामी कृष्णानंद झा ने कहा कि व्यक्ति की प्रकृति उसकी बुद्धि के अनुरूप होती है। मनुष्य जैसी बुद्धि का होता है, उसका आंतरिक स्वरूप भी वैसा ही बन जाता है। व्यक्ति अपनी बुद्धि के अनुसार ही कर्म करता है और उन्हीं कर्मों के अनुसार सुख-दुख का फल प्राप्त करता है।

इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बुद्धि और उसके गुणों को समझना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि सत्व, रज और तम, ये तीनों गुण मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। सत्वगुण व्यक्ति को सद्कर्म और धर्म के मार्ग पर प्रेरित करता है, जिससे वह कर्मयोगी बनता है। रजोगुण व्यक्ति को स्वार्थ की ओर ले जाता है, जिससे उसके कार्यों में दिखावा और पाखंड आ जाता है। वहीं तमोगुण व्यक्ति को अज्ञान और प्रमाद में डाल देता है, जिससे उसका विकास रुक जाता है।

स्वामी जी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं यह तय करना चाहिए कि वह अपनी बुद्धि का विकास किस दिशा में करना चाहता है। उन्होंने स्वाध्याय को बुद्धि के विकास का सर्वोत्तम साधन बताते हुए गीता और रामायण जैसे ग्रंथों को जीवन में अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने पिछले पांच दिनों के गीता श्रवण के अपने अनुभव साझा किए, जिससे वातावरण भाव-विभोर हो गया। अंत में भजन-कीर्तन के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का पालन करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और सभी ने ज्ञान यज्ञ से आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

भाकियू टिकैत की सदस्यता अभियान के तहत किया गया पंचायत का आयोजन

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम गांवड़ी पनियाला में स्मार्ट मीटरों का विरोध, सदस्यता अभियान पर जोर दिया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सदस्यता अभियान के तहत ग्राम गांवड़ी पनियाला में एक पंचायत का आयोजन किया गया। यह पंचायत पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अमरपाल चौधरी के नेतृत्व में और हबीबी मोलाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत का संचालन मोनू चौधरी ने किया। पंचायत को संबोधित करते हुए अमरपाल चौधरी ने किसानों से

एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बाबा महात्मा महेंद्र सिंह टिकैत की नीतियों पर चलने पर जोर दिया। इस दौरान विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का भी कड़ा विरोध किया गया। जिला संगठन मंत्री अशोक धनकड़ ने इस अवसर पर कई नए सदस्यों को भाकियू टिकैत की सदस्यता ग्रहण कराई। सदस्यता लेने वालों में मोहम्मद मुनाजिर, समीम शेरखान, सरदार गुरमुख सिंह और सरदार सिनू नूरपुर शामिल थे।

इस पंचायत में नरेश चौधरी, भूरे चौधरी, नरेंद्र सिंह, आयुष चौधरी, दिलशाद अंसारी, इंतजार मलिक, मनीष धनकड़, कामेंद्र प्रधान, योगेश चौधरी, कपिल चौधरी, जिला सचिव दिनेश चौधरी, मोहित चौहान, चंचल चौहान, याद राम सिंह और सुरेश सिंह सहित सैकड़ों किसान और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवागत डीएम से मिले किसान संगठन के कार्यकर्ता, समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के कार्यकताओं ने जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी के नेतृत्व में बुधवार को नवागत जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी का स्वागत किसानों के सम्मान के प्रतीक हल भेंट कर किया।

जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इनमें खाद की उपलब्धता, जर्जर सड़कों की मरम्मत, विद्युत आपूर्ति में सुधार सहित अन्य मुद्दे शामिल रहे। जिलाधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

संगठन के पदाधिकारियों ने आगामी 18 मई, सोमवार को दोपहर 12 बजे ब्लॉक परिसर संभल में आयोजित होने वाली किसान पंचायत को लेकर डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में तहसीलदार संभल, खंड विकास अधिकारी, आपूर्ति निरीक्षक, एसडीओ विद्युत चंद्रभूषण, चिकित्सा अधीक्षक एवं जल मिशन से जुड़े अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की गई है, ताकि किसानों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण हो सके।

संगठन ने उम्मीद जताई कि नवागत जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में जनपद संभल विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

इस मौके पर युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, युवा मंडल उपाध्यक्ष अरुण चौधरी, जिला प्रभारी सुभाष चाहल, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, जिला प्रचार मंत्री संतवीर सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, तहसील अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, ब्लॉक महासचिव धीरेन्द्र त्यागी, तहसील उपाध्यक्ष राजपाल कश्यप, श्रीपाल यादव, ब्लॉक सचिव कनिक चौधरी, तहसील महासचिव चंदौसी चंद्र विजय राणा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना धनारी में अर्दली रूम आयोजित, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

धनारी/संभल (सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत ने मंगलवार को थाना धनारी में अर्दली रूम का आयोजन कर लंबित विवेचनाओं और शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने विवेचकों को निर्देशित किया कि सभी मामलों का जल्द से जल्द विधिक एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित

प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता व निष्पक्षता बनाए रखी जाए।

एएसपी ने यह भी निर्देश दिए कि शिकायतकताओं को अनावश्यक परेशान न किया जाए तथा समयबद्ध तरीके से उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

अर्दली रूम के दौरान थाना स्तर पर लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शिक्षामित्र सम्मान समारोह आयोजित, बढ़े मानदेय का हुआ शुभारम्भ

बहजोई/संभल (सब का सपना):- समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार मंगलवार को डी.आर. रिसोर्ट, इस्लामनगर रोड, बहजोई में शिक्षामित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण का शुभारम्भ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित मुख्यमंत्री कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुलाब देवी, मंत्री (माध्यमिक शिक्षा, स्वतंत्र प्रभार) उपस्थित रहीं। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक अजीत कुमार राजू,पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी, नगर पालिका परिषद बहजोई के चेयरमैन राजेश शंकर राजू, मुख्य विकास अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित विभिन्न शिक्षक एवं शिक्षामित्र संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में लगभग 800 शिक्षामित्रों सहित बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। मंत्री गुलाब देवी ने अपने संबोधन में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 से शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है, जो वर्ष में 11 माह तक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद में अप्रैल माह का बढ़ा हुआ मानदेय भी जारी किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने सभी शिक्षकों और शिक्षामित्रों से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। इस अवसर पर मंत्री द्वारा जनपद के 16 शिक्षामित्रों को प्रतीकात्मक रूप से 18,000 रुपये के चेक वितरित किए गए। विभिन्न शिक्षामित्र संगठनों के पदाधिकारियों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित शिक्षामित्रों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समारोह के समापन की घोषणा की।

समावेशी शिक्षा पर जोर, प्रधानाचार्यों की बैठक आयोजित

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बुधवार को कस्बे के आर. आर. पब्लिक स्कूल में नोडल अधिकारी मित्र लाल गौतम की अध्यक्षता में सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नूरपुर ब्लॉक से संबंधित लगभग बारह विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। बैठक में एमजीडीएसडी गोहावर, वीएसएम एकेडमी नूरपुर, गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल नूरपुर, चिल्ड्रन एकेडमी नूरपुर, रामनाथ पब्लिक स्कूल नूरपुर, फ्यूचर चिल्ड्रन एकेडमी शिवाला कलां, निर्मल पब्लिक स्कूल नूरपुर, अक्ष इंटरनेशनल स्कूल ताजपुर,

आरएसएस पब्लिक स्कूल नूरपुर, आरकेएसएम पब्लिक स्कूल ताजपुर तथा रूट्स इंटरनेशनल स्कूल सहित अन्य विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता एवं उप-प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. निशांत कुमार यादव ने अपने संबोधन में विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत बच्चों के प्रवेश की व्यवस्था को और अधिक सुचारू एवं प्रभावी बनाया जाना चाहिए, जिस पर सभी उपस्थित सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। इसके अतिरिक्त विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिभावक-शिक्षक संघ, परिवहन सुरक्षा समिति तथा आंतरिक शिकायत समिति की बैठकें समय-समय पर आयोजित किए जाने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वाति यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर अवनीश शर्मा, सुशील कवि, अश्विनी कुमार शर्मा, शुलभ कुमार, नवनीत चौधरी, मनीष कुमार, गौतम राजपूत, आशाराम, वीर सिंह, कमलजीत सिंह, दीपक सिंह, कवेंद्र चौधरी तथा मोहित सिरोही सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धामपुर में उपनिरीक्षक से मारपीट, आश्रम संपत्ति विवाद में बढ़ा तनाव

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक उपनिरीक्षक के साथ मारपीट की घटना से हड़कंप मच गया। सूचना के अनुसार, धामपुर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक ब्रह्मपाल गिरी के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। पुलिस के मुताबिक, घटना 5 मई 2026 की रात करीब 9:30 बजे की है, जब सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जिस मकान में उपनिरीक्षक किराये पर रह रहे हैं, वह बाबा पानपदास आश्रम की संपत्ति है, जिस पर स्वामित्व को लेकर दो पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा है।

बताया जा रहा है कि इसी विवाद के चलते एक पक्ष के लोगों ने उपनिरीक्षक के साथ मारपीट की। वहीं आरोपियों की ओर से यह भी आरोप लगाया गया है कि उपनिरीक्षक द्वारा एक महिला के साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया गया, जिससे आक्रोशित होकर उन्होंने यह कदम उठाया।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले में दोनों पक्षों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है। थाना धामपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और तथ्य सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

दौड़ रहे हैं सडकों पर एटमबम्ब

एटमबम्ब से कम नहीं हैं लोकल गैसकिट लगे वाहन

पुलिस धडपकड अभियान चला सख्ती से चलन पर लगाए प्रतिबंध

बुलंदशहर (सब का सपना):- यदि सही मायने में महसूस किया जाए तो मानव विस्फोटक सामग्री पर ही खडा है। घर से बाहर निकलने के बाद सही सलामत अपने घर वापस लौट आए तो यह उसके परिवार के लिए सुखद दिन ही कहा जा सकता है क्योंकि किसी न किसी रूप में मानव के ऊपर मौत का खतरा मंडराता ही रहता है। कडवा सच भी यही है कि निजी स्वार्थ में वसीभूत होकर चंद रुपयों के खातिर मानव को क्षति पहुंचाने वाली विस्फोटक सामग्री की ओर से जिला प्रशासन आंखें मूंदे रहता है और जब कोई अप्रिय घटना घटित हो जाती है तभी कुंभकर्णी नींद से जागता तो है लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। अब देखो सडक पर दौड रहे वाहनों में ज्यादातर में गैसकिट लगी होती हैं जिनमें कुछ में घरेलू गैस सिलेंडरों का भी प्रयोग होना पता चला है जबकि ऐसा नियम विरुद्ध तो है ही साथ ही मानव जीवन के लिए खतरा भी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार परिवहन मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2001 में एलपीजी के उपयोग की अनुमति पर्यावरण के अनुकूल एक अन्य इंधन का प्रचलन में लाने की अनुमति दी गई लेकिन यह अनुमति सिर्फ उन वाहनों के लिए दी गई थी जिनमें ओरिजनल गैसकिट लगी हों तथा फिक्स सिलेंडर लगा हो लेकिन यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो प्रशासन की लापरवाही से सडकों पर एटमबम्ब रुपी वाहन दौड रहे हैं। जिनके द्वारा कहीं भी किसी भी समय मानव जीवन का अंत हो सकता है। अपुष्ट जानकारी के मुताबिक कुछ वाहनों में ओरिजनल गैसकिट की जगह लोकल गैसकिट लगी हैं क्योंकि लोकल गैसकिट सस्ती होती हैं। जानते सभी हैं कि ओरिजनल के मुकाबले लोकल गैसकिट नुकसान देने वाली साबित हो सकती हैं लेकिन फिर भी न जाने क्यों अनुभवहीन वाहन मिस्त्रियों के चंगुल में फंसकर कुछ लोग अपने चौपहिया वाहनों में लोकल गैसकिट लगवाकर अपने व अपनों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।

उक्त गम्भीर विषय पर चर्चा के दौरान एक पुलिसकर्मी का कहना रहा कि पुलिस कमर कस ले तो सडकों पर दौड रहे एटमबम्ब रुपी वाहनों पर अंकुश मात्र 24 घंटे में लगा सकती है लेकिन ऐसा होना इतना आसान नहीं है क्योंकि कुछ पुलिसकर्मी व छुट भैया नेताओं के वाहनों में अवैध रूप से लोकल गैसकिट लगी देखने को मिल ही जाती है। जनहित में कानूनी आदेश के अनुपालन में जिला पुलिस प्रशासन को चाहिए कि गैरकानूनी ढंग से गैसकिट लगे वाहनों पर धडपकड अभियान शुरू कर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाए।

मंडावली में सिस्टम बेअसर, चोरों ने एक ही रात में 8 ट्यूबवेलों पर बोला धावा

मंडावली (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि पुलिस की रात्रि गश्त पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीती रात गदाई और गांवड़ी रोड के जंगलों में चोरों ने सुनियोजित तरीके से धावा बोलते हुए 8 किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाया। लगातार हो रही इन घटनाओं से अन्नदाता आक्रोशित और दहशत में हैं। चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर वारदातों को अंजाम देते हुए इरफान के ट्यूबवेल की दीवार काटकर (कुंबल लगाकर), विकास के ट्यूबवेल का ताला तोड़कर, खुर्शीद के ट्यूबवेल से बाहर से केबल काटकर हजारों रुपये का सामान पार कर दिया। वहीं गांवड़ी रोड पर सुरेश कुमार, सुंदर चौहान, महेश शर्मा, सुनील कुमार और भगवत सिंह के ट्यूबवेलों से भी कीमती केबल चोरी कर ली गई। किसानों का कहना है कि पिछले 15 दिनों में करीब 24 ट्यूबवेलों से केबल चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। मीरमपुर बेगा, मुस्सेपुर और भागुवाला जैसे क्षेत्रों में भी लगातार चोरी की वारदातें सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक एक भी मामले का खुलासा नहीं कर पाई है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया है और जांच का आश्वासन दिया है, लेकिन पीड़ित किसानों का भरोसा अब डगमगा गया है। किसानों ने साफ कहा है कि यदि जल्द ही चोरियों का खुलासा नहीं हुआ और प्रभावी गश्त शुरू नहीं की गई, तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

भारतीय किसान संगठन एकता के जिलाध्यक्ष जाहिद मकरानी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा, ह्लचोर ताले तोड़ रहे हैं, दीवारें काट रहे हैं और पुलिस सो रही है। अगर यही हाल रहा तो किसान खेतों में जाना छोड़ देंगे। जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।ह्व

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की रात्रि गश्त केवल कागजों तक सीमित है। जिस तरह चोर बेखौफ होकर कटर से केबल काट रहे हैं और दीवारें तोड़ रहे हैं, उससे साफ है कि उन्हें कानून का कोई डर नहीं है।

लगातार बढ़ती चोरियां न सिर्फ किसानों की आजीविका पर हमला हैं, बल्कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। अब निगाहें पुलिस कार्रवाई पर टिकी हैं।

स्कूलों में सोशल ऑडिट करेगा आजाद अधिकार सेना, मिड-डे मील समेत अनियमितताओं की जांच

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आजाद अधिकार सेना ने जनपद के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सोशल ऑडिट अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत ऊँचागाँव और जहांगीराबाद ब्लॉक के चयनित स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा।

संगठन ने इस संबंध में जिलाधिकारी, एसएसपी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर सूचना दे दी है। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य सचिव, डीजीपी, प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा और महानिदेशक स्कूल शिक्षा सहित अन्य उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री देवेंद्र सिंह राणा के अनुसार, मिड-डे मील (पीएम पोषण) योजना में भोजन की गुणवत्ता, मात्रा, मेन्यू और वितरण में अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के पोषण से जुड़े इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मिड-डे मील की गुणवत्ता, खाद्यान्न उपयोग, स्कूलों की मूलभूत सुविधाएं, शिक्षक उपस्थिति, एसएमसी की भूमिका और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जांच की जाएगी।

संगठन ने स्पष्ट किया है कि अभियान शांतिपूर्ण और कानूनी दायरे में होगा। यदि अनियमितताएं पाई जाती हैं, तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए उच्च स्तर पर शिकायत की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्मार्ट मीटर संबंधित कि गई बैठक

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, विद्युत विभाग के अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी, चौधरी कुलदीप गुड्डू,

राधेश्याम, शैलेंद्र आर्य समेत कई किसान प्रतिनिधियों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं व मजदूर संगठनों ने भाग लेकर स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। किसानों ने सरकार द्वारा पूर्व की भांति बिलिंग व्यवस्था लागू करने के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का भरोसा दिलाया और कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन पूरी तरह संवेदनशील है।

तहसील में प्राइवेट कर्मचारियों का बोलबाला

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील के लेखपाल, कानूनगो आदि ऑफिसों में प्राइवेट कर्मचारियों को किस की शह पर रखा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह प्राइवेट लोग किसानों से अवैध वसूली के लिए लगा रखे हैं जब इनकी मनमानी की शिकायत की जाती हैं तो यह दबंग लोग अभद्रता पर उतारू हो जाते हैं। इतना

ही नहीं तहसील में तैनात नायब तहसीलदार की सरकारी गाड़ी को प्राइवेट चालक द्वारा ड्राइव कराया जा रहा है। वही तमाम लेखपालों ने अपने पास प्राइवेट कर्मचारी रखें हुए हैं जोकि किसानों पर धौंस जमाकर उतार बाजी करते हैं। देखते हैं नए एसडीएम इनके खिलाफ किस प्रकार की कार्यवाही करेंगे या वही हर बार की तरह लीपापोती होकर रह जाएगी।

जनता से अव्यवहार पर चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

आम जनता से लगातार मिल रही शिकायतों व गैर–व्यवहारिक रवैये को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कप्तान ने किया लाइन हाजिर।

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनसुनवाई और पुलिस व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा एक बार फिर सख्त रुख अपनाया गया है। नगर चौकी में तैनात प्रभारी आनंद कुमार को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन स्थानांतरित कर दिया गया है। यह कार्रवाई आम जनता से लगातार मिल रही शिकायतों और चौकी प्रभारी के गैर-व्यवहारिक रवैये को गंभीरता से लेते हुए की गई है।

सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र के लोगों द्वारा बीते काफी समय से चौकी प्रभारी के व्यवहार को लेकर आलाधिकारियों से शिकायतें की जा रही थीं। आरोप था कि फरियाद लेकर पहुंचने वाले लोगों के साथ उनका व्यवहार संतोषजनक नहीं था,

जिससे आमजन में नाराजगी बढ़ती जा रही थी, कई सामाजिक व्यक्तियों एवं स्थानीय लोगों ने भी पुलिस अधिकारियों तक अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर ने शिकायतों का परीक्षण कराया। शिकायतों के अनुमोदन के उपरांत चौकी प्रभारी आनंद कुमार को जनहित में तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेजने के आदेश जारी कर दिए गए।

कार और बाइक की भिड़ंत में महिला की मौत, युवक घायल

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- सिकंदराबाद मार्ग पर ग्राम देवली के निकट कार और बाइक की भिड़ंत में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बाइक चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने कार और चालक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम कुरली निवासी जरीना (55 वर्ष) अपने पुत्र मोहम्मद सादिक के साथ बाइक पर गुलावठी से दवाई लेकर अपने गांव कुरली लौट रही थी। ग्राम देवली के निकट सिकंदराबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार करने बाइक में टक्कर मार दी जिससे जरीना की मौके पर ही मौत हो गई और बाइक चालक उसका पुत्र सादिक (30) गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और गंभीर रूप से घायल सादिक को अस्पताल में भर्ती कराया।

इस मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शर्मा का कहना है कि ओवरटेक करने के कारण हादसा हुआ है।

महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि घायल युवक को अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया है। आरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

नगर के यमुनापुरम स्थित समता आयुर्वेदिक सेंटर पर बुधवार को हुआ नि:शुल्क बी.एम.डी. कैंप का आयोजन

बुलंदशहर (सब का सपना):- बुधवार को नगर के यमुनापुरम स्थित समता आयुर्वेदिक सेंटर पर निःशुल्क बी.एम.डी. कैंप का आयोजन शिविर लगाकर किया गया। शिविर के बारे में जानकारी देते हुए पञ्चकर्म एवं क्षारसूत्र चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्य हितेश कौशिक ने बताया शिविर में कुल 175 लोगों ने बोन मिनरल डेनसिटी टेस्ट कराया। जिनमें 160 लोगों में बोन मिनरल डेनसिटी कम पायी गई। जिसमें 75 युवा लोग 25 से 40 वर्ष की आयु के, 25 महिलाएं जो 25 से 35 वर्ष की आयु की एवं ओवरवेट थीं तथा 25 लोग

40 से 60 वर्ष की आयु के , 20 लोग 60 वर्ष से अधिक आयु के थे। तथा शिविर में 15 रोगी गुदा रोगों के भी रहे।

उन्होंने बताया कि जो लोग 30 वर्ष से भी कम उम्र के थे उनमें भी बोन मिनरल डेनसिटी बहुत कम रही जिसका मुख्य कारण उनका अनियमित खानपान एवं अनियमित दिनचर्या है। मोटापा भी बोन मिनरल डेनसिटी कम होने का एक मुख्य कारण है, क्योंकि जब शरीर में फैट बढ़ता है तो मिनरल्स हड्डी तक पहुंचने कम हो जाते हैं इसलिए खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बोन मिनरल डेनसिटी सही रखने के लिए रोटी बनाने में गेहूं के साथ जौ एवं चने का प्रयोग करना चाहिए ,दूध एवं हरी सब्जियाँ, मौसम के फल ,मखाना, सिंघाड़ा का प्रयोग करें। रोजाना तिल तैल की मालिश करनी चाहिए। शिविर में श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड टैकनीकल पार्टनर रही। शिविर में दक्ष कौशिक, सारंग त्यागी, वैभव शुक्ला, सुमित सिंह एवं शिवम आदि का विशेष सहयोग रहा।

चेकिंग अभियान में 7 वाहन सीज, 27 वाहनों का किया चालान

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली की कमान संभालते ही कोतवाली प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। कोतवाल धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने पुलिस टीम के साथ नगर के मुख्य चैराहों और बाजारों में पैदल गश्त की। नगर के शहीद

स्मारक चैक पर चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस दौरान 7 वाहनों को सीज किया तथा 27 वाहनों के चालान काटे। इस दौरान यातायात के नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया।

अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने खोला मोर्चा, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बरेली (एजेंसी) बरेली के एक जिम में महिला चिकित्सक का यौन शोषण किया गया। इस घटना के विरोध में अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने बुधवार को प्रदर्शन किया। पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें जिम संचालकों और ट्रेनरों के पुलिस सत्यापन की मांग की गई। बरेली के एक जिम में महिला चिकित्सक के यौन शोषण के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले के विरोध में अखिल भारत हिंदू महासभा ने आक्रोश व्यक्त किया है। महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक के नेतृत्व में बुधवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी अविनाश सिंह को ज्ञापन सौंपकर जिले के सभी जिम में पुलिस सत्यापन और महिला सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। ज्ञापन में महासभा ने

आरोप लगाया है कि बरेली के कुछ जिम में समुदाय विशेष महिलाओं को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। हाल ही में एक जिम संचालक द्वारा डॉक्टर महिला का यौन शोषण करने का मामला सामने आया। बीते दिनों मिनी बाइपास स्थित एक जिम में दिल्ली की महिला के परिजनों के साथ मारपीट हुई थी। इन घटनाओं का हवाला देते हुए इसे एक सोची-समझी साजिश बताया गया है। पंकज पाठक ने कहा कि कुछ जिम संचालक मीठी-मीठी बातों में फंसाकर महिलाओं पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे हैं और लोक-लाज के भय से कई पीड़िताएं आज भी चुप्पी साधे हुए हैं। जिम संचालकों और ट्रेनरों का सत्यापन करने की मांग महासभा ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनपद के समस्त जिम संचालकों और ट्रेनरों का तत्काल पुलिस सत्यापन कराया जाए। सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक जिम में महिला ट्रेनर की तैनाती अनिवार्य होनी चाहिए और जिन जिमों में महिला ट्रेनर उपलब्ध नहीं हैं, वहां महिलाओं के प्रवेश पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जिमों की नियमित जांच के लिए महिला पुलिस अधिकारियों का एक विशेष दल गठित करने का सुझाव भी दिया गया है। महासभा ने चेतावनी दी है कि यदि सनातनी महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रशासन ने शीघ्र कठोर कदम नहीं उठाए, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन को बाध्य होगा। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सीएम योगी ने सुनी समस्याएं, कहा- धन के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज

गोरखपुर (एजेंसी) मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि सरकार इलाज कराने में भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को

निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह बुधवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा, साथ ही भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल का इस्टीमेट मिलते ही विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को प्यार और आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया। इस दौरान उन्होंने एक महिला के साथ आए उसके दो बच्चों से हंसी-ठिठोली भी की और उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया।

खबर एक्सप्रेस

कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी में मां ने दो मासूम बेटों संग काली बेईं में लगाई छलांग, बच्चों की मौत

सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला)। पंजाब के कपूरथला के अंतर्गत आते सुल्तानपुर लोधी में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक महिला ने अपने दो मासूम बेटों के साथ काली बेईं में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों बच्चों को नहीं बचाया जा सका। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। मृत बच्चों की पहचान छह वर्षीय वीरप्रताप सिंह और दो वर्षीय गुरप्रताप सिंह के रूप में हुई है। वहीं महिला की पहचान सिमरत कौर के तौर पर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना सुल्तानपुर लोधी की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिमरत कौर बुधवार को अपने दोनों बच्चों को स्कूल से लेकर काली बेईं के किनारे पहुंची थी। बताया जा रहा है कि उसने बच्चों के स्कूल बैग किनारे पर रखे और इसके बाद दोनों बेटों सहित बेईं में छलांग लगा दी। महिला के पानी में कूदते ही आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया।राहगीरों ने महिला को निकाला

राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए महिला को पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों मासूम बच्चों को नहीं बचाया जा सका। काफी प्रयासों के बाद बच्चों को बाहर निकाला गया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आकाशदीप शर्मा ने बताया कि दोनों बच्चों को अस्पताल लाया गया था, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और आगे की कार्रवाई जारी है।पुलिस कारणों को जानने में जुटी घटना के बाद पुलिस ने महिला से पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में अभी तक इस कदम के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि पारिवारिक परिस्थितियों और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद इलाके में गहरा दुख और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोग भी यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ऐसी कौन सी परिस्थितियां थीं, जिनके चलते महिला ने इतना बड़ा कदम उठाया। पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

बीजेपी से इतनी दुश्मनी कि पाक की गोद में बैठना पड़ रहा है'; पंजाब बम धमाकों पर राघव चड्ढा का सीएम मान पर पलटवार

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर और अमृतसर में बम धमाके को लेकर बीजेपी नेता और सांसद राघव चड्ढा की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने प्रेसकर्मियों से बात करते हुए कहा कि बीते कुछ घंटों में पंजाब दो बम ब्लास्ट हुए हैं एक जालंधर और दूसरा अमृतसर। हम इसकी निंदा करते हैं। स्थिति चिंताजनक है ये बम ब्लास्ट पंजाब की अमन और अशांति के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश है। राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब के डीजीपी साहब ने मौके पर जाकर और शुरूआती जांच में ये पाया कि इस वारदात के पीछे पाकिस्तान के आईएसआई का हाथ है। दूसरी पंजाब के सीएम बयान दे रहे हैं कि इस वारदात के पीछे पाकिस्तान के आईएसआई का हाथ नहीं है बल्कि भाजपा का हाथ है। तो मैं सीधे तौर पर पूछना चाहता हूं कि पंजाब के सीएम पाकिस्तान के आईएसआई को क्यों क्लीन चिट देना चाहते हैं और क्या भाजपा से उनकी इतनी दुश्मनी हो गई है कि उन्हें पाकिस्तान के आईएसआई के गोद में जाकर बैठना

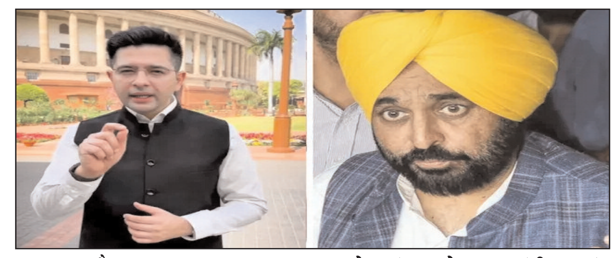

पड़ रहा है....उनका बयान बहुत चिंताजनक है इसे गंभीरता से लेना चाहिए और उनकी ऐसी क्या मजबूरी है कि उन्हें ऐसे बयान देने पड़ रहे हैं.."भगवंत मान ने बीजेपी पर लगाए आरोप पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब में हुए बम धमाकों को लेकर विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने श्री आनंदपुर साहिब से शुकराना यात्रा शुरू करने के दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि ये धमाके भाजपा की चुनावी तैयारी का हिस्सा है। भगवंत मान ने कहा कि भाजपा चुनाव से पहले लोगों में डर और तनाव का माहौल बनाकर राजनीतिक फायदा लेने की कोशिश करती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद भाजपा नेताओं ने खुद कहा था कि अब पंजाब की बारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का तरीका यही रहा है कि जहां चुनाव आते हैं, वहां पहले लोगों को आपस में लड़ाया जाता है और फिर डर का माहौल बनाकर वोट हासिल करने की कोशिश की जाती है। संबित पात्रा ने क्या कहा? वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा दोहरे बम विस्फोटों के लिए भाजपा को दोषी ठहराए जाने पर कहा, "पाकिस्तान और आईएसआईएस हमेशा हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में हिंसा भड़काने की कोशिश करते हैं, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री का बयान ऐसा है जो पूरे देश को झकझोर देगा।"

पंजाब में धमाकों के बीच बीजेपी आक्रामक, सीएम को हटाने के लिए राज्यभर में चलाएगी अभियान, गवर्नर से करेगी शिकायत

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को पद से हटाने की मांग को लेकर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। जाखड़ ने कहा कि पंजाब में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ती आतंकी गतिविधियों और सुरक्षा मामलों पर मुख्यमंत्री के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के खिलाफ भाजपा अब प्रदेशव्यापी अभियान शुरू करेगी। जाखड़ ने कहा कि भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राज्यपाल से मुलाकात कर मुख्यमंत्री भगवंत मान को पद से हटाने की मांग करेगा और राज्य सरकार की विफलताओं से अवगत कराएगा। पंजाब बीते कुछ समय में रॉकेट और ग्रेनेड हमलों जैसी कई गंभीर घटनाओं का सामना कर चुका है। इसके बावजूद सरकार इन घटनाओं को गंभीरता से लेने के बजाय हल्के में ले रही है। सीएम का बयान लापरवाही पूर्ण न्होंने हाल ही में हुए बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि जब सुरक्षा एजेंसियां इन मामलों की गहन जांच कर रही हैं और सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क व पाकिस्तान की आईएसआई की भूमिका को लेकर

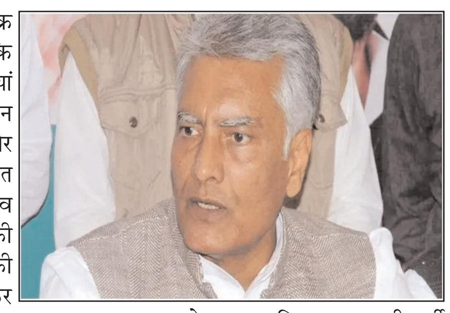

जांच चल रही है, तब मुख्यमंत्री का बयान पंजाब की सुरक्षा के प्रति उनकी लापरवाही को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के राज्यपाल पहले ही राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा हालात पर चिंता जता चुके हैं। ऐसे में भाजपा इस मुद्दे को संवैधानिक तरीके से उठाएगी। जाखड़ ने कहा कि पार्टी राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर पंजाब सरकार की विफलताओं का पूरा ब्यौरा देगी और मांग करेगी कि इस गंभीर स्थिति पर तत्काल हस्तक्षेप किया जाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था चरमरा चुकी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

जाखड़ ने कहा कि भाजपा पूरे पंजाब में जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को सरकार की नाकामियों से अवगत कराएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब की शांति, सुरक्षा और पहचान बचाने के लिए भाजपा हर स्तर पर संघर्ष करेगी और जनता की आवाज को मजबूती से उठाएगी।

जालंधर धमाके पर पुलिस को मिले अहम सुराग, ऋछ टीम ने जुटाए सेंपल; जल्द गिरफ्तारी का दावा

जालंधर। बीएसएफ मुख्यालय के पास मंगलवार को हुए विस्फोट के बाद पंजाब पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मामले को लेकर बुधवार को जालंधर में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई थी, जिसमें डीजीपी के पहुंचने की उम्मीद थी। हालांकि लंबे इंतजार के बाद पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने पत्रकारों को संबोधित किया और जांच से जुड़ी जानकारी साझा की।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि जांच के दौरान पुलिस के हाथ कुछ महत्वपूर्ण सुराग लगे हैं। विस्फोट स्थल से कुछ संदिग्ध पदार्थ भी बरामद किए गए हैं, जिन्हें वैज्ञानिक जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि घटना स्थल और आसपास लगे निगरानी कैमरों के दृश्य भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपितों तक पहुंचा जा सके।उन्होंने कहा कि पुलिस कई पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और जल्द ही महत्वपूर्ण नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद है। पुलिस कमिश्नर के अनुसार जांच दल लगातार काम कर रहे हैं और हर छोटी-बड़ी जानकारी को गंभीरता से परखा जा रहा है। मंगलवार को

बीएसएफ मुख्यालय के बाहर हुए विस्फोट के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मौके का निरीक्षण किया और आसपास के क्षेत्रों में भी जांच अभियान चलाया। विस्फोट के कारणों को लेकर अभी तक आधिकारिक तौर पर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस आयुक्त ने ज्यादा तकनीकी जानकारी साझा करने से परहेज किया, लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, विस्फोट के बाद शहर में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

पंजाब में धमाकों के पीछे किसका हाथ? एनआईए ने शुरू की जांच

अमृतसर/जालंधर। कल रात पंजाब फ्रंटियर स्थित बीएसएफ मुख्यालय के पास धमाका हुआ। इलाके को आगे की जांच के लिए सील कर दिया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाने और पंजाब पुलिस को जांच में सहायता करने के लिए जालंधर के लिए रवाना हो चुकी है। अमृतसर के खासा में आर्मी कैंट के बाहर मंगलवार देर रात हुए बम धमाके के बाद बुधवार सुबह घटना स्थल पर जांच करने लिए फॉरेंसिक टीम पहुंची। धमाके के कारण आर्मी कैंट की दीवार पर लगी टिने क्षतिग्रस्त हुई हैं।मंगलवार रात को तीन घंटे अंतराल में जालंधर व अमृतसर में बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर जोरदार धमाके हुए। जालंधर में मंगलवार रात करीब 8:15 बजे बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर एक स्कूटी में धमाका हुआ, जिससे कैंपस की दीवारें तक हिल गईं। धमाके की आवाज करीब डेढ़ किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। फिलहाल कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, लेकिन पहचान नहीं हो पाई है। स्कूटी चालक को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पूछताछ चल रही है।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास धमाका अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक खासा क्षेत्र में भी बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर मंगलवार की रात 10.50 पर जोरदार धमाका हुआ। एसएसपी सोहेल मीर कासिम ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि बाइक पर सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक को हवा में उछालते हुए बीएसएफ हेडक्वार्टर की तरफ फेंका। दीवार के साथ लगते ही जोरदार धमाका हुआ।ग्रेनेड से हमला होने का संदेह धमाके से चारदीवारी पर सेना क्षेत्र को कवर करने के लिए लगाई गई टीन शेड ढह गईं। गेट नंबर 6 और 7 के बीच की दीवार को भी थोड़ा नुकसान हुआ है। धमाके की आवाज सुनते ही सैन्य अधिकारी और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। संदेह है कि ग्रेनेड से हमला किया गया है। आसपास के इलाकों में सर्च आपरेशन भी शुरू कर दिया गया है। पंजाब में पिछले 18 महीनों में करीब 16 थानों पर भी ग्रेनेड हमले हो चुके हैं।

हर छह महीने में AI से स्कैन होंगे नेशनल हाईवे, सरकार ला रही नई तकनीक; तुरंत पकड़ में आएंगी सड़क की खराबियां

चंडीगढ़। पंजाब के नेशनल हाईवे नियमित जांच के दायरे में लाए जा रहे हैं। सरकार ने सड़कों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने का फैसला लिया है, जिसके तहत हर छह महीने में हाईवे की अनिवार्य जांच की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य सड़कों की खराब होती स्थिति को समय रहते पकड़ना और मेंटेनेंस सिस्टम को अधिक जवाबदेह बनाना है। परियोजना के तहत 23 राज्यों में करीब 20 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवे नेटवर्क को कवर किया जाएगा। लेजर स्कैनिंग तकनीक के जरिए सड़कों की सतह की 10 सेंटीमीटर तक की सटीक मैपिंग की जाएगी। यह डेटा सीधे एनएचएआई के केंद्रीय प्लेटफॉर्म पर अपलोड होगा, जहां एआई के माध्यम से उसका विश्लेषण किया जाएगा।सिस्टम सड़क की स्थिति, दरारों और संभावित नुकसान का आकलन कर संबंधित एजेंसियों को तुरंत अलर्ट जारी करेगा। अधिकारियों का कहना है कि अब तक सड़कों की जांच मुख्य रूप से मैनुअल निरीक्षण पर निर्भर थी, जिससे कई बार समस्याएं देर से सामने आती थीं। नई तकनीक इस कमी को दूर करेगी और रियल-टाइम डेटा के आधार पर फैसले लिए जा सकेंगे। इससे निर्माण कंपनियों और मेंटेनेंस एजेंसियों की जवाबदेही भी तय होगी।आईआरआई रेटिंग भी लागू होगी इस सिस्टम के साथ भारत में आईआरआई (इंटरनेशनल रफनेस इंडेक्स) रेटिंग भी लागू की जा रही है। इसके जरिए सड़कों की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर मापा जाएगा। यदि किसी हाईवे की रेटिंग तय स्तर से नीचे जाती है, तो संबंधित कंपनी को तुरंत मरम्मत करनी होगी, अन्यथा उस पर कार्रवाई हो सकती है। करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में अत्याधुनिक उपकरणों से लैस सर्वे वाहन तैनात किए जाएंगे। ये वाहन बिना ट्रैफिक रोके लगातार सड़कों की स्कैनिंग करेंगे और माइक्रो लेवल तक की खामियों को रिकॉर्ड करेंगे। इससे बड़ी खराबी आने से पहले ही मरम्मत संभव हो सकेगी।पंजाब नॉर्थ जोन में शामिल देश को पांच जोन में बांटकर इस योजना को लागू किया जा रहा है। पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर को नॉर्थ जोन में शामिल किया गया है।

पश्चिम बंगाल में खिला कमल तो पंजाब में नाई ने लुटाया प्यार, दिनभर फ्री में काटे दाढ़ी-बाल, कहा- मोदी मेरे गुरु हैं

फाजिल्का। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने जहां देश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है, वहीं पंजाब के फाजिल्का जिले से एक अनोखी तस्वीर सामने आई है। अबोहर की गली नंबर 12 में सैलून चलाने वाले नवीन सैन चिश्ती ने अपनी खुशी को एक खास अंदाज में मनाते हुए दिनभर ग्राहकों की मुफ्त सेवा करने का फैसला किया।

मोदी जी मेरे गुरुः नवीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जबरदस्त प्रशंसक नवीन ने अपनी दुकान पर आने वाले हर व्यक्ति की दाढ़ी और बाल मुफ्त में काटे। सुबह से ही उनके सैलून पर लोगों का तांता लगा रहा। नवीन के चेहरे पर जीत की खुशी साफ झलक रही थी। नवीन ने अपनी दुकान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर भी लगा रखी है, नवीन उन्‍े अपना गुरु मानता है।नवीन ने कहा, "मैं मोदी जी का बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी यह दिली तमन्ना थी कि भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल करे। आज पूरे देश में खुशी का माहौल है और मैं अपनी मेहनत और सेवा के जरिए अपनी इस खुशी को जाहिर कर रहा हूं। मेरा आज का पूरा दिन और मेरी कमाई मोदी जी के नाम समर्पित है।"

भविष्य के लिए भी बड़ा संकल्प

नवीन का मानना है कि आज वह जो कुछ भी हैं, वह प्रधानमंत्री की प्रेरणा की देन है। उन्होंने एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर आने वाले समय में पंजाब में भी भाजपा की सरकार बनती है, तो वह इससे भी बड़ा आयोजन करेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह अपनी श्रद्धा के चलते आधे रेट पर काम करने जैसे कई संकल्प पूरे कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर नवीन के इस अनूठे "सेलीब्रेशन" की खूब चर्चा हो रही है।

अमृतसर में पुलिसवाला बना किडनैपर, नंगा कर पीटा; लैंड डिस्प्यूट मामले में SHO पिस्तौल दिखाकर युवक को ले गया साथ

अमृतसर। पंजाब पुलिस का एक एसएचओ खुद ही किडनैपर बन गया। तरनतारन जिले के गोइंदवाल थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर समेत पांच लोगों पर युवक के अपहरण, मारपीट और रुपये छीनने का मामला दर्ज किया गया है। अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट के थाना सिविल लाइन में दर्ज इस मामले के बाद पुलिस ने आरोपित इंस्पेक्टर प्रभजोत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अकाली-भाजपा सरकार के दौरान मंत्री रहे बिक्रम सिंह मजीठिया के सूचना प्रकोष्ठ से जुड़े नछत्तर सिंह सहित कुल पांच लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। अन्य आरोपितों में गुमटाला निवासी प्रभ, गोइंदवाल निवासी रणबीर सिंह और काजीकोट निवासी जतिंदर सिंह शामिल हैं। जतिंदर सिंह को अदालत से दो दिन की पुलिस हिरासत पर भेजा गया है।पेशी के दौरान हुई किडनैपिंग शिकायतकर्ता चाटीविंड निवासी गुरपाल सिंह ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वर्ष 2017 में उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हुआ था, जो अभी अदालत में विचाराधीन है। 29 अप्रैल को वह पेशी भुगतने अदालत पहुंचे थे। गुरपाल के अनुसार अदालत कक्ष के बाहर कुछ लोग पहले से उसका इंतजार कर रहे थे, जिन्हें वह पहले से जानता था।गुरपाल ने आरोप लगाया कि आरोपितों ने कहा कि उन्हें उससे जरूरी बात करनी है। पेशी के बाद वह उनके साथ बातचीत करने लगा। इसी दौरान आरोपित उसे बातों में उलझाकर अदालत परिसर और तहसील क्षेत्र से बाहर सड़क तक ले गए। वहां पहुंचते ही उसे जबरन कार में बैठाकर अगवा कर लिया गया। कपड़े उतार की गई मारपीट शिकायत के अनुसार आरोपित उसे चाटीविंड इलाके में एक बंबी के पास ले गए। वहां पिस्तौल दिखाकर उसके कपड़े उतरवाए गए और उसके साथ मारपीट की गई। गुरपाल ने आरोप लगाया कि वहां आरोपितों ने वीडियो काल के जरिए उसकी बातचीत नछत्तर सिंह से करवाई। शिकायतकर्ता के मुताबिक नछत्तर सिंह ने मोबाइल पर संदेश दिया कि उसे गोली मार दी जाए। गुरपाल ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपितों ने उसकी जेब से दो लाख रुपये निकाल लिए। इसके बाद उसे कार में बैठाकर लगातार पीटा गया और फिर गोइंदवाल थाने ले जाया गया।मारपीट के बाद चाटीविंड में छोड़ा वहां थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रभजोत सिंह ने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर उससे सफेद कागजों पर हस्ताक्षर करवाए। बाद में उसे चाटीविंड इलाके में छोड़ दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिविल लाइन पुलिस ने अपहरण, मारपीट, लूट और हथियार दिखाकर धमकाने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

हरियाणा पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती: शारीरिक परीक्षा में अब नहीं चलेगा फजीवाड़ा, RFID चिप और सेंसर से होगी निगरानी

चंडीगढ़। हरियाणा में पुलिस कॉन्स्टेबल के 5500 पदों के लिए चल रही भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की कड़ी में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने बड़ा कदम उठाया गया है। अब शारीरिक जांच परीक्षण (पीएसटी) में उम्मीदवारों की दौड़ केवल स्टापवाच से नहीं, बल्कि रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआइडी) आधारित हाईटेक सेंसर सिस्टम से मानिटर की जाएगी। इससे मानवीय हस्तक्षेप लगभग खत्म हो जाएगा और हर अभ्यर्थी का प्रदर्शन डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज होगा। नई व्यवस्था के तहत पीएसटी में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के पैरों में विशेष आरएफआइडी चिप या सेंसर डिवाइस लगाई जाएगी। जैसे ही उम्मीदवार ट्रैक पर दौड़ शुरू करेगा, उसका समय स्वतः रिकॉर्ड होना शुरू हो जाएगा। फिनिश लाइन पार करते ही पूरा डेटा सिस्टम में सेव हो जाएगा। पुरुष अभ्यर्थियों को 12 मिनट में 2.5 किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी होगी, जबकि महिला उम्मीदवारों को छह मिनट में एक किलोमीटर का लक्ष्य पूरा करना होगा। उम्मीदवारों को ट्रैक के पास लगी डिजिटल स्क्रीन पर अपना लाइव टाइम भी दिखाई देगा।भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पंचकूला स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम को हाईटेक टेस्टिंग सेंटर में बदला जा रहा है। स्टेडियम में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया जा रहा है ताकि पूरी प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग हो सके। अधिकारियों के मुताबिक मई के मध्य तक तकनीकी इंस्टॉलेशन का काम पूरा हो जाएगा और उसके बाद पीएसटी का विस्तृत शेड्यूल जारी किया जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट का पहला बैच 20 मई के आसपास शुरू हो सकता है।भीषण गर्मी को देखते हुए आयोग पीएसटी को दो शिफ्टों यानी सुबह और शाम में आयोजित करने की तैयारी में है। उम्मीदवारों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए मेडिकल टीम, एंबुलेंस और ओआरएस जैसी व्यवस्थाएं भी मौके पर उपलब्ध रहेंगी।

शुरूआत में प्रतिदिन लगभग 500 अभ्यर्थियों को बुलाने की योजना है, जिसे बाद में बढ़ाया जा सकता है। जर्मन मशीनों से कद और सीने की जांच शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) में भी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। उम्मीदवारों की लंबाई और सीने के माप के लिए सेंसर आधारित विदेशी मशीनें लगाई गई हैं। यदि कोई उम्मीदवार लंबाई बढ़ाने के लिए एड़ी उठाने जैसी कोशिश करता है तो मशीन तुरंत रीडिंग रिजेक्ट कर देगी। आयोग ने पीएमटी प्रक्रिया के लिए करीब 25 अत्याधुनिक मशीनें मंगवाई हैं,

अमेरिका भेजने के नाम पर युवक से 47 लाख की ठगी, एक साल जेल काटकर लौटा पीड़ित; तीन पर मामला दर्ज

मोगा। पंजाब में विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला मोगा जिले से सामने आया है, जहां गांव चक्क तारेवाला के एक परिवार से उनके बेटे को अमेरिका भेजने के नाम पर 47 लाख 87 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। युवक को गैरकानूनी तरीके से विदेश भेजा गया, जहां पहुंचते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। करीब एक वर्ष जेल में रहने के बाद युवक को भारत वापस भेज दिया गया।

मामले में थाना धर्मकोट पुलिस ने जालंधर और शाहकोट के तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपितों की पहचान नगिंदर खुल्लर निवासी दयोल नगर जालंधर, काकू सिंह निवासी राजेवाला शाहकोट और मंगल सिंह निवासी शाहकोट के रूप में हुई है।थाना धर्मकोट के सहायक थानेदार गुरप्रीत सिंह ने बताया कि गांव चक्क तारेवाला निवासी महेंद्र सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर बताया था कि उनका बेटा अमरजीत सिंह विदेश जाने का इच्छुक था। इसी दौरान उनकी मुलाकात उक्त तीनों लोगों से हुई। आरोपितों ने भरोसा दिलाया कि वे अमरजीत सिंह को कानूनी और सुरक्षित तरीके से अमेरिका पहुंचा

देंगे।गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ शिकायत के अनुसार आरोपितों ने विदेश भेजने के नाम पर परिवार से करीब 47 लाख 87 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद 21 अक्टूबर 2024 को अमरजीत सिंह को दिल्ली हवाई अड्डे से अमेरिका भेज दिया गया। लेकिन वहां पहुंचने के बाद पता चला कि उसे गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल करवाया गया था। अमेरिका की पुलिस ने अमरजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। युवक को करीब एक वर्ष तक जेल में रखा गया। बाद में 8 दिसंबर 2025 को उसे वापस भारत भेज दिया गया। भारत लौटने के बाद परिवार को पूरी ठगी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की।पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद की कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच धर्मकोट पुलिस को सौंपी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के दौरान शिकायत को सही पाया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर तीनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की तलाश शुरू कर दी गई है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। वहीं इस घटना के बाद इलाके में विदेश भेजने वाले एजेंटों की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि विदेश जाने के लिए केवल अधिकृत माध्यमों और कानूनी प्रक्रिया का ही सहारा लें, ताकि इस प्रकार की ठगी से बचा जा सके।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल जैकब बेथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है ओर वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसें में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा क्रुणाल पंड्या ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनो के बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

संजू सैमसन मैच जिताऊ पारी खेलकर औरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में पहुंचे, साई सुदर्शन को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने धीमी और टर्न ले रही दिल्ली की पिच पर 52 गेंदों में नाबाद 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिक के शीर्ष पांच में जगह बना ली।

सैमसन ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह कमाल किया। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पांचवें स्थान से हटाया। इसके साथ ही वह केएल राहुल, अभिषेक शर्मा, हाइनरिक क्लासन और वैभव सूर्यवंशी के साथ IPL 2026 में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। सैमसन के इस सीजन 10 पारियों में 402 रन हो गए हैं। उनका औसत 57.42 और स्ट्राइक रेट 167.50 का है। बुधवार रात सनराइजर्स हैदाबाद का मुकाबला पंजाब किंग्स से होना है। ऐसे में अभिषेक शर्मा और क्लासन दोनों के पास टॉप स्थान तक पहुंचने का मौका रहेगा।

वहीं पर्पल कैप तालिका की बात की तो मंगलवार के मुकाबले के बाद पर्पल कैप टेबल के टॉप पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ। भुवनेश्वर कुमार अब भी 17 विकेट के साथ टॉप पर बने हुए हैं। उनके बाद अंशुल कम्बोज (चेन्नई सुपर किंग्स, 17 विकेट), कगिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस, 16 विकेट), जोफ्रा आर्चर (राजस्थान रॉयल्स, 15 विकेट) और इशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद, 15 विकेट) शामिल हैं। कम्बोज ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अलग-अलग फेज में गेंदबाजी की, लेकिन अपने चार ओवर में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

हार से निराश अक्षर बोले, 10 से 15 रन और बनाते तो परिणाम कुछ और होता

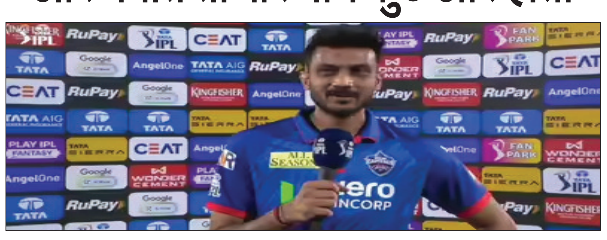

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। अक्षर ने कहा कि अगर हम 10 से 15 रन और बनाते तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। इस मैच में हार से दिल्ली कैपिटल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम हुई हैं। अक्षर ने कहा कि155 रन का स्कोर बचाव के लिए अच्छा था हालांकि टीम 10-15 रन और बनाती तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा नए बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाजी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि गेंद रुककर आ रही थी और कभी नीची तो कभी असामान्य उछाल ले रही थी। हालांकि, उन्होंने सीएसके के बल्लेबाज संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बल्लेबाज क्रीज पर सेट हो जाता है, तो विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर महसूस होने लगता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मुझे लगता है कि हम 10-15 रन से पीछे रह गए।

सैमसन ने धीमी और गेंदबाजों की सहायक पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा बनाए गए सात विकेट पर 155 रन के लक्ष्य को सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा है और वह 10 मैचों में पांचवीं जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को इतने ही मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा है और आठ अंकों के साथ वे सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अक्षर ने कहा कि उनकी टीम को गेंदबाजी के दौरान कुलदीप यादव की कमी महसूस हुई।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ प्लेऑफ का रास्ता

-बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत की लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट में मिली सातवीं हार के साथ ही तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है हालांकि आधिकारिक तौर पर देखें तो तब भी सुपर जायंट्स की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे बचे हुए सभी पांच मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कप्तान ऋषभ ने भी स्वीकार किया कि उनकी टीम को अब टॉप-4 में पहुंचने के लिए काफी किस्मत की जरूरत होगी। वह गलत नहीं हैं, क्योंकि 9 मैचों में 2 जीत और 7 हार के साथ ही सुपरजायंट्स को अब प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों के उसके अनुसार आने पर निर्भर रहना होगा।

प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए, लखनऊ को अब अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उन्हें 7 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), 10 और 15 मई को दो बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आर) और 23 मई को पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स) का सामना करना है। इन सभी पांच मैचों में जीत से उन्हें 10 और अंक मिलेंगे, जिससे वे सत्र के अंत में 14 अंक हासिल कर सकते हैं

हालांकि, केवल अपनी जीत पर्याप्त नहीं होगी। लखनऊ की टीम को अपनी जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब किंग्स , सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी मजबूत टीमें अपने ज्यादातर मैच जीतें। इससे ये टीमें 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर शीर्ष-3 प्लेऑफ स्थानों को पक्का कर सकेंगी, जिससे चौथे स्थान के लिए मुकाबला खुला रहे। इसके अलावा उसे ये भी उम्मीद करनी होगी कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस अपने बचे हुए मैचों में हारें, ताकि वे 14 से अधिक अंक न बना सकें। उसके लिए बेंगलुरु को हराना भी अत्यंत जरुरी होगा। । कुल मिलाकर, प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए लखनऊ को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों के भी पूरी तरह से अनुकूल होने की प्रार्थना करनी होगी। इस प्रकार देखा जाये तो उसे चमत्कार की ही अधिक जरुरत है।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था : कोच जयवर्धने

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था । इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे । रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी । जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा । आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें । ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो । टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें । रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे । उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी । तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की । इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है । इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं ।वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की ।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे ।

अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

नई दिल्ली । भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी । यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान केकाकामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासाका अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साई भोपाल में हमारा कैंप बहुत सफल रहा है । खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला । इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन्स पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सीनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें । कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम हैं । यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है । इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा । वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साई भोपाल में हमारा कैंप अच्छा रहा । खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया । ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर । यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है । सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है । महिला और पुरुष टीमें अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी । इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा ।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम , अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी।

बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 को हारने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 - मंगलवार 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर - बुधवार 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 - शुक्रवार 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल - रविवार 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

बुमराह से ब्रेक की जरुरत को लेकर बात करें प्रबंधन : बांगड़

मुम्बई । आईपीएल के इस 19 सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खराब फार्म से सभी हैरान है । मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे बुमराह की गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं पर वह विकट नहीं ले पा रहे । इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान हुआ है और वह केवल 6 अंक लेकर नौवे स्थान पर है । ऐसे में कहा है कि उन्हें अब आराम दिया जाना चाहिये । वहीं इस मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने टीम प्रबंधन से कहा है कि वह बुमराह से सीधे बात करे और उनसे आराम लेने को लेकर पूछे । उनसे पूछें, क्या वह पूरी तरह से फिट है या फिर उनहें आराम की जरुरत है । अगर वह आराम चाहते हैं तो लें और तरोताजा होकर वापसी करें । उन्होंने जोर दिया कि यह एक ईमानदार बातचीत होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेलने के लिए तैयार हैं ।बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सत्र खराब जाना हो । उन्होंने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं । अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं । बांगड़ के अनुसार, बुमराह की विफलता प्रयास की कमी नहीं है । उन्होंने कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं । बुमराह के लिए यह असामान्य है कि वह पहले दो ओवरों में 31 रन दें । वह पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी बॉडी लैंग्वेज से दिखता है कि वह परेशान हैं । बांगड़ ने यह भी कहा कि उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा । उन्हें दूसरे ओवर में गेंद दी गई और फिर चौथे ओवर में । मेरा मानना है कि अपने सबसे अच्छे गेंदबाज को शुरुआत में ही दो अच्छे ओवर पहला और तीसरा देने चाहिए ।

हमारा वर्ल्ड कप होस्ट 'फीफा है, ट्रंप या अमेरिका नहीं', ईरान का बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)। तेहरान -ईरान के फुटबॉल प्रमुख का कहना है कि उनके वर्ल्ड कप का होस्ट 'फीफा है, न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका' और उन्होंने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रति सम्मान की मांग की है, अगर राष्ट्रीय टीम को इस गर्मी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करनी है। अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के कारण वर्ल्ड कप में ईरान की भागीदारी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

ईरानी एफए के प्रमुख मेहदी ताज उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो पिछले सप्ताह वैंकूवर में फीफा कांग्रेस से पहले कनाडाई सीमा से वापस लौट आया था, क्योंकि उन्हें लगा कि आव्रजन अधिकारियों द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। ताज ने कहा कि घर लौटने का फैसला उनका अपना था, लेकिन कनाडा के आव्रजन मंत्री ने संसद में पुष्टि की कि ईरानी एफए अध्यक्ष का वीजा उस समय रद्द कर दिया गया था जब वे हवाई जहाज़ में थे, क्योंकि आईआरजीसी के साथ उनके संबंध थे।

IRGC की स्थापना ईरान की इस्लामी व्यवस्था की रक्षा के लिए की गई थी और यह देश में एक प्रमुख सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति बन गया है। हालांकि, कनाडा और अमेरिका में इस समूह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फीफा के महासचिव मैटियस ग्राफस्ट्रॉम ने 'असुविधा और निराशा' के लिए खेद व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा और ईरान को 20 मई को ज़्यूरिख में उनके वर्ल्ड कप की तैयारियों के बारे में बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

ताज, जो IRGC के एक उच्च पदस्थ अधिकारी रह चुके हैं, ने मंगलवार को सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि वे वर्ल्ड कप में ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाले व्यवहार के बारे में शासी निकाय से आश्वासन मांगेंगे। ताज ने कहा, 'हमें अपनी यात्रा के लिए वहाँ एक गारंटी चाहिए कि उन्हें हमारी व्यवस्था के प्रतीकों - विशेष रूप से आईआरजीसी - का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसी कोई गारंटी मिलती है और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से ली जाती है, तो कनाडा में हुई जैसी घटना फिर कभी नहीं होगी।'

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई के बीच मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी करेंगे। ईरान के दो मैच लॉस एंजेलिस में होने हैं - 15 जून को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ; इसके बाद 26 जून को सिएटल में उसका मुकाबला मिस्र से होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री माकर रूबियो ने पिछले हफ्ते कहा था कि IRGC से जुड़े किसी भी व्यक्ति को देश में आने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

ताज ने कहा, 'हम वर्ल्ड कप में जा रहे हैं, जिसके लिए हमने क्वालिफ़ाई किया है; और हमारे मेजबान फीफा है - न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका। अगर वे हमारी मेजबानी स्वीकार करते हैं, तो उन्हें यह भी स्वीकार करना होगा कि वे किसी भी तरह से हमारे सैन्य संस्थानों का अपमान नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे

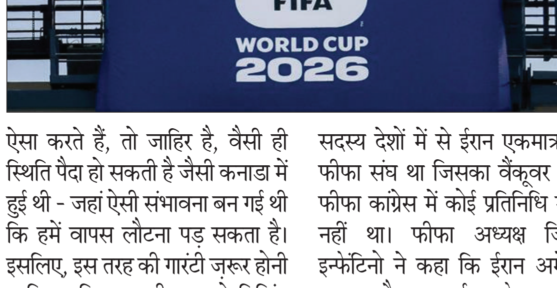

ऐसा करते हैं, तो जाहिर है, वैसी ही स्थिति पैदा हो सकती है जैसी कनाडा में हुई थी - जहां ऐसी संभावना बन गई थी कि हमें वापस लौटना पड़ सकता है। इसलिए, इस तरह की गारंटी ज़रूर होनी चाहिए ताकि हम पूरी तरह से निश्चिंत होकर वहाँ जा सकें।'

अमेरिका और इजरायल ने फरवरी में ईरान पर हवाई हमले किए थे। 211 सदस्य देशों में से ईरान एकमात्र ऐसा फीफा संघ था जिसका वैंकूवर में हुई फीफा कांग्रेस में कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि ईरान अमेरिका जाएगा और तय कार्यक्रम के अनुसार ही अपने मैच खेलेगा - भले ही मार्च में ईरान ने अपने मैचों को मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

मैड्रिड । स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी । स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है । गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है । ।ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे । इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें । स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है । कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं । ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी । खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है । टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिल का फिट नहीं होना है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वार्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है ।

'ग्लोरी' के लिए हर दिन करता था 5-6 घंटे ट्रेनिंग

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने बातचीत में कहा 'जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूं, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूं।'

हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा 'एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूं और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।' उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।

वेब सीरीज 'ग्लोरी', भारतीय बॉक्सिंग की दुनिया को दिखाती है। इसमें पारिवारिक ड्रामा, बदला और एक मर्डर मिस्ट्री का मेल है। इसमें दिव्येंदु, सुविंदर विक्की, जन्नत जुबैर, आशुतोष राणा, सिकंदर खेर, सयानी गुप्ता, यशपाल शर्मा, कश्मीरा परदेशी और कुणाल ठाकुर हैं।

प्रेग्नेंसी के बावजूद 'राका' की शूटिंग जारी रखेंगी दीपिका

एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राका' दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन की वजह से पहले से ही चर्चाओं में है। हाल ही में इसका पोस्टर भी शेयर किया गया था, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इस बीच दीपिका की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उनके किरदार को लेकर कई सवाल सामने आ रहे थे, जिनके कुछ जवाब सामने आए हैं।

ऐसे शूट होंगे एक्शन सीन

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'राका' को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद भी फिल्म में अपने अहम किरदार को निभा रही हैं और उनके रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म की टीम ने पहले ही बताया था कि दीपिका प्रेग्नेंसी के दौरान भी शूटिंग जारी रखेंगी, और कुछ एक्शन सीन बॉडी डबल की मदद से पूरे किए जाएंगे। अब ताजा अपडेट के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार पहले जैसा ही रहेगा और कहानी में उनका इमोशनल ट्रैक भी वैसा ही रखा गया है।

रोल में नहीं होगा कोई बदलाव

प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका फिल्म में कहानी का बहुत अहम हिस्सा हैं और उनके सीन में कोई कटौती नहीं की गई है। बताया गया है कि एक्शन वाले कुछ हिस्से अब बॉडी डबल से शूट होंगे, जबकि वह खुद इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शूट करती रहेंगी। सूत्र ने कहा, 'दीपिका की फिल्म में शानदार एंट्री है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन मोमेंट भी है। ये सभी सीन अब बॉडी डबल से किए जाएंगे, लेकिन उनके ड्रामेटिक सीन वैसे ही रहेंगे। उनका रोल बिल्कुल वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह फिल्म की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी के कारण कुछ भी हटाया नहीं गया है।' पहले भी एक सूत्र ने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी दीपिका फिल्म के इंटेंस एक्शन सीन शूट कर रही थीं और वह पूरे प्रोजेक्ट के दौरान शूटिंग जारी रखेंगी।

ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अक्सर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है।

उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है।

बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता

पवित्रा पुनिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, 'सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।'

ट्रोल मत करो चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि 'उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं, 1 लाख सर्जरी करवाई हैं।' वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।'

अनिल रविपुडी की फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेट्टी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है।

एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी

इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने 'पटास' से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है

बचपन में 'तारे जमीन पर' से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, अपने स्ट्रगल, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, 'लोग बाहर से इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूं, उसके साथ पहले काम कर चुका हूं, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।'

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, 'इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको ढूंढने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।'

नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उतार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूं। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।'

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को 'फेक' बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश भी कर सकते हो। अगर किसी को आप स्क्रिप्ट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है।' वह आगे जोड़ते हैं, 'अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लोगे। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखना बंद कर देते हैं।

जहां तक स्टार किड्स की बात है, जैसे बाबिल... मुझे हमेशा लगता है कि उन पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है। अगर आप किसी बड़े स्टार के बेटे या बेटी हो, तो एक्सपेक्टेशन भी उतनी ही बड़ी होती है। लोग आपको जज करते हैं, लेकिन वो प्रेशर नहीं देखते।'

मेंटैलिटी बदलो, रास्ते खुद बनेंगे

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, 'मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूं कि ये सब मेंटैलिटी की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।'

फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूं। सोचता हूं। चीजों को समझने की कोशिश करता हूं। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।